

Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0°C
न्यूनतम तापमान: 21.0°C
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

संजीवनी टुडे

समय के साथ बढ़ता अखबार

जयपुर, शुक्रवार, 09 फरवरी 2024

अब होगी सुविधाओं की बात
संजीवनी टुडे के साथ
जम्मूविषय, वैचारिक चर्चाएं एवं
निर्णय बढाई संदेश
मात्र 1100/- में
साइज 8X9 cm
संजीवनी टुडे
संजीवनी टुडे का पता: जयपुर, राजस्थान
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

वर्ष: 10 अंक: 249

पृष्ठ: 8 मूल्य: 1.50

अंतरिम बजट में कई बड़ी घोषणाएं
राज्य विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2024-25 का लेखानुदान पेश करती वित्त मंत्री दीपा कुमारी

मिलेंगी 70 हजार नई नौकरियां, भूमि कर समाप्त

■ घोषणाओं की बौछार, हर तबके में बहार ■ बच्चों से लेकर बुजुर्गों के लिए सरकार ने खोला पिटारा



जयपुर, 8 फरवरी। राज्य के लेखानुदान मांगों में सरकार ने हर तबके को दिल खोलकर राहत देने की घोषणाएं की हैं। सबसे बड़ी राहत बेरोजगारों को दी गई है, सरकार ने इस साल 70 हजार नई नौकरियां देने का ऐलान किया है। साथ ही भूमि कर समाप्त करने का प्रस्ताव भी है। बुजुर्गों और महिलाओं की पेंशन बढ़ाई गई है तो छात्रों को वजीफा भी मिलेगा। कारोबारियों के लिए सकई तरह की एमनेस्टी योजनाएं शुरू की गई हैं। किसानों के लिए गोपाल क्रेडिट कार्ड स्कॉम भी शुरू होगी और 5 लाख गोपालकों को कर्ज दिया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रदेश में सड़कों के विकास के लिए 1500 करोड़ रुपए का प्रावधान भी किया जा रहा

चीनी और गुड़ पर मंडी टैक्स हटाया

कारोबारियों के लिए भी कई घोषणाएं की गई हैं। वित्त मंत्री ने प्रस्ताव रखा कि राजस्थान इकोनॉमिक रिवाइवल टास्क फोर्स बनेगी। बकाया वैट के मामलों के लिए 31 जुलाई तक के लिए एमनेस्टी योजना चलाएंगे। वाहन कर से जुड़ी एमनेस्टी योजना चलाई जाएगी। माइनिंग एमनेस्टी योजना में ओवरलॉडिंग में कंपाउंड राशि में 96 फीसदी तक छूट दी जाएगी। निवेशकों के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन और सभी जिलों में 24 घंटे काम करनेवाले आदर्श स्टेशन शुरू किए जाएंगे। सरकार ने चीनी और गुड़ पर मंडी टैक्स खत्म करने की घोषणा की है।



विधानसभा में बजट पेश करने से पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ उपमुख्यमंत्री दीपा कुमारी।

सरकारी कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले

कर्मचारियों को प्रमोशन के अतिरिक्त अवसर दिए जाएंगे। डीपीसी में दो साल की छूट दी जाएगी। कर्मचारियों को जीपीएफ की डिटेल ऑनलाइन दी जाएगी। उनके रिटायरमेंट के दिन ही पेंशन से जुड़ी मंजूरीयें दी जाएंगी। पेंशनर्स को घर बैठे लाइफ सर्टिफिकेट ऑनलाइन जारी होंगे। अगले साल से आशा सहयोगी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा सहायिका और पंचायतीराज कर्मचारियों के मानदेय में 10 फीसदी बढ़ोतरी की जाएगी।

मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना का नाम बदला

चिरंजीवी योजना का नाम अब मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना किया गया है। इस योजना में कैंसर का डे केयर इलाज भी शामिल होगा।

महिलाओं के लिए लाडो प्रोत्साहन योजना

लाडो प्रोत्साहन योजना शुरू होगी। लखपति दीदी योजना के तहत 5 लाख परिवारों को महिलाओं की आय को एक लाख से ज्यादा बढ़ाया जाएगा। लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत गरीब परिवारों में बेटी पैदा होने पर 1 लाख रुपए सेबिंग बॉन्ड मिलेगा। पीएम मातृ वंदन योजना के तहत महिलाओं को पहले प्रसव पर 5000 से बढ़ाकर 6000 रुपए किया जाएगा। इस पर 90 करोड़ खर्च होंगे। हर ब्लॉक स्तर पर एक आंगनबाड़ी को आदर्श बनाया जाएगा। इस पर 20 करोड़ खर्च होंगे।

रोडवेज किराया अब आधा

60 से 80 साल तक के वरिष्ठ नागरिकों को अब रोडवेज में आधा किराया ही लेना होगा। छूट 30 से बढ़ाकर 50 फीसदी की गई है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन 1000 से बढ़ाकर 1150 की गई है। इसके लिए 1800 करोड़ का वित्तीय प्रावधान किया गया है। स्ट्रीट वैंडर्स और मजदूरों के लिए मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना शुरू की जाएगी। इसमें 100 रुपए तक

मासिक प्रीमियम देना होगा। इसके बाद 60 साल पर 2000 रुपए पेंशन मिलेगा।

विपक्ष ने किया हंगामा

वित्त मंत्री दीपा कुमारी ने जल जीवन मिशन का उल्लेख करते हुए पिछली सरकार के भ्रष्टाचार का हवाला दिया। इस पर कांग्रेस विधायकों ने विरोध किया। कांग्रेस के गोविंदसिंह डोटसरा ने इस पर आपत्ति जताई। शौरमुल के कारण विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने उन्हें टोकाटकी से रोका। इस दौरान कांग्रेस के ही शांति धीवाल भी कुछ कहने लगे तो देवनानी उन्हें चेतावनी दी। शौरमुल के बीच मुख्यमंत्री भजनलाल ने सदन की मर्यादा बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि महिला वित्तमंत्री बजट पढ़ रही हैं। एक महिला को प्रोत्साहित करना चाहिए। बजट पूरा हो जाए, फिर सभी अपनी बात रख सकते हैं। इस पर नेता प्रतिपक्ष टीकाकार जूली ने कहा कि आप दिल्ली से लिखा हुआ जो आया है, उसे पढ़िए। बीच में टीका टिप्पणी नहीं करें। देश की वित्त मंत्री भी महिला हैं, हमने उनका भी बजट भाषण सुना, आपका भी सुनेंगे।

प्रमुख घोषणाएं

- जयपुर में सीतापुर-टोक रोड से अंबाबाड़ी मेट्रो रुट का विद्यार्थ नगर तक होगा विस्तार, बनेगी नई डीपीआर
- 500 इलेक्ट्रिक बसें खरीदी जाएगी
- स्टेट रोड फंड में 1500 करोड़ रुपए का अतिरिक्त प्रावधान
- श्री अन्नपूर्णा योजना में 600 ग्राम भोजन मिलेगा
- भ्रष्टाचार मुक्त बनाएंगे प्रदेश को
- वार्षिक भर्ती परीक्षा कैलेंडर बनेगा
- युवा साथी केंद्र बनाए जाएंगे
- हर संभाग में लोगों रोजगार में ले
- जयपुर के निकट बनेगी हाइटेक सिटी
- जीडीपी का 30 फीसदी हिस्सा कृषि और संबंधित क्षेत्र पर होगा खर्च
- गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के लिए 150 करोड़
- 5 लाख गोपालकों को ऋण
- 70 हजार भर्ती निकाली जाएगी
- अटल इनोवेशन स्टूडियो एंड एक्सलरेटर, जयपुर, बीकानेर, भरतपुर, अजमेर, 1 हजार करोड़ रुपए
- रोजगार समाधान के लिए सेटलाइट सिटी
- मिशन ओलिंपिक 2028 की घोषणा, 100 करोड़ का प्रावधान
- बेटी होने पर 1 लाख का सेंटिंग बॉन्ड, लाडो प्रोत्साहन योजना
- दुर्घटना की स्थिति में मदद के लिए हाइवे पर 25 अडवॉन्स लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस
- 18-45 आयु वर्ग के श्रमिक के लिए सीएम विक्रमांशु पेंशन योजना
- वरिष्ठ नागरिकों को रोडवेज छूट 30 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत
- मानदेय प्राप्त कर हर कामिकां सहित पंचायत जनप्रतिनिधियों के मानदेय में 10 प्रतिशत बढ़ोतरी।

होम लोन की ईएमआई नहीं होगी कम

आरबीआई ने स्थिर रखी रेपो रेट

मुंबई, 8 फरवरी (एजेन्सी)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने एक बार फिर से रेपो रेट को स्थिर रखने का फैसला किया है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास को अगुवाई वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक 6 फरवरी को शुरू हुई थी। आज आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक समीक्षा बैठक के नतीजों का ऐलान किया है। केंद्रीय बैंक ने एक बार फिर से रेपो रेट को यथावत रखते हुए उसमें कोई बदलाव नहीं किया है। लगातार छठी बार रेपो रेट को 6.5 फीसदी पर बरकरार रखने का फैसला लिया गया है। आरबीआई के फैसले के बाद एक बार फिर से ब्याज दर 6.5 फीसदी पर बनी हुई है। लोगों को उम्मीद थी कि इस बार रिजर्व बैंक रेपो रेट में कटौती कर सस्ते लोन का तोहफा देगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सस्ते लोन के लिए अभी आपको और इंतजार करना होगा।

गिर गया शेयर बाजार

मुंबई, 8 फरवरी (एजेन्सी)। शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है। सेंसेक्स और निफ्टी लाल निशान पर कारोबार कर रहे हैं। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास की अगुवाई वाली मौद्रिक नीति समिति की ओर से आज रेपो रेट का ऐलान किया गया है। आरबीआई ने रेपो रेट में बदलाव नहीं किया है। आरबीआई के इस ऐलान के बाद शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है। सुबह बंद के साथ खुला बाजार अब लाल निशान पर कारोबार कर रहा है। वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच भारतीय रिजर्व बैंक के ब्याज दर पर फैसले से पहले घरेलू बाजारों में गुरुवार की सुबह शुरूआती कारोबार में उछाल आया था। बीएसई के 30 शेयर वाला सूचकांक सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 321.42 अंक उछलकर 72 हजार 473.42 अंक पर पहुंच गया था। वहीं निफ्टी 80.55 अंक चढ़कर 22 हजार 11.05 अंक पर रहा। सेंसेक्स अभी गिरावट के साथ 72 हजार 238 के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

धनराज सोलंकी सीएम के मीडिया सलाहकार नियुक्त

जयपुर, 8 फरवरी। धनराज सोलंकी पुत्र राणाराम सोलंकी मुख्यमंत्री भजनलाल के मीडिया सलाहकार होंगे। इस संबंध में आज कार्मिक विभाग ने आदेशों जारी किए हैं। उनकी नियुक्ति कार्यग्रहण करने के एक वर्ष या अन्य आदेश जारी होने तक के लिए की गई है। सोलंकी की नियुक्ति के आदेश कार्मिक विभाग के संयुक्त शासन सचिव कनिष्क कटारिया ने जारी किए हैं।

गहलोट ने खोला बीमारी का राज

सांघ्य ज्योति संवाददाता
जयपुर, 8 फरवरी। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोट पिछले कुछ दिनों से कोविड और स्वाइन फ्लू से पीड़ित हैं। उनका इलाज भी चल रहा है लेकिन गहलोट ने गुजरात सुबह सोशल मीडिया एक्स पर अपनी हेमपी हाइपोक्सिया बीमारी का भी खुलासा किया है। गहलोट ने लिखा है कि हाल में तमाम नई रिसर्च से पता चला है कि कोविड के दौरान कोविड के बाद भी शरीर में ऑक्सीजन लेवल की कमी हो जाती है जिसे हेमपी हाइपोक्सिया कहते हैं। इस बीमारी में कई बार मरीज को भी पता नहीं चलता क्योंकि सांस लेने में भी तकलीफ नहीं होती परन्तु समय पर डाइनामोमिस ना हो तो यह वैदद खतरनाक साबित हो सकता है।

सर्द हवाओं से धूजणी छूटी

अभी और तेज हो सकती हैं सर्दी

जयपुर, 8 फरवरी। प्रदेश में फिर से सर्दी के तेवर तीखे हो रहे हैं। उत्तर-पूर्वी इलाकों में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के असर से प्रदेश में भी विंड पैटर्न में बदलाव हो रहा है जिसके चलते उत्तर से आ रही सर्दी हवाओं ने प्रदेशवासियों को ठिठुरन महसूस कराई है। बोती रात प्रदेश के छह जिलों में पारा लुढ़क कर सामान्य से कम दर्ज किया गया। मैदानी इलाकों में कड़ुके की सर्दी का जोर रहा है। मौसम विभाग ने अगले दो दिन प्रदेश में तेज सर्दी का असर रहने का पूर्वानुमान बताया है। जयपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में रात के तापमान में दो तीन डिग्री तक गिरावट दर्ज की गई। सीकर के फतेहपुर कृषि अनुसंधान केंद्र पर न्यूनतम तापमान 2.4 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। सीकर में पारा 3.5 डिग्री, पिलानी में 5.5, चूरू में 5.3, करौली में 4.4, सिरौही में 7.7, भीलवाड़ा 7 और हनुमानगढ़ के संगरिया में 6.5 डिग्री न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। जयपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में रात के तापमान में दो तीन डिग्री तक गिरावट दर्ज की गई। राजधानी में बोती रात पारा 10 डिग्री रहा। अजमेर 8.3, अलवर 10, चित्तौड़ 10.9, खंडोका 11.9, धौलपुर 9.2, अनां बारा 6.7, डूंगरपुर 14.9, बाडमेर 10.4, जैसलमेर 9.8, जोधपुर 10, फलोदी 15.2, बीकानेर 8.4, श्रीगंगानगर 9.5 और जालोर में 11.6 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

तीन संभाग में पारा सामान्य से कम:

मौसम केंद्र जयपुर ने अगले 24 घंटे में अजमेर, जयपुर और कोटा संभाग में रात में पारा सामान्य से कम रहने का पूर्वानुमान बताया है। वहीं उदयपुर, जोधपुर और बीकानेर संभाग में न्यूनतम तापमान सामान्य रहने की संभावना है।

बोरवेल में गिरी महिला की मौत

रातभर चला रेस्क्यू ऑपरेशन शव निकालने के लिए 130 फीट दूर से खुदाई होगी

जयपुर, 8 फरवरी। गंगापुर सिटी के गुडला गांव में 100 फीट गहरे बोरवेल में गिरी मोना बाई की मौत हो गई। घर के पास बने बोरवेल में गिरी महिला को 10 घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद भी नहीं बचाया जा सका। शव को निकालने के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों बोरवेल से 130 फीट दूर से खुदाई करेगी। मोना बाई (25) पत्नी सुरेश बुधवार दोपहर खुले बोरवेल में गिर गई थी। बोरवेल के पास उसके चप्पल मिलने पर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। प्रशासन ने तुरंत रेस्क्यू के इंतजाम किए। शाम करीब 6 बजे एनडीआरएफ की टीम अजमेर से और इसके आधे घंटे बाद भरतपुर से एसडीआरएफ की टीम घटनास्थल पर पहुंची। बोरवेल के अंदर ऑक्सीजन पहुंचाई गई सुबह 5 बजे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलने के बाद महिला की मौत की पुष्टि हुई।

जयपुर में सिरफिरे आशिक ने किया महिला से रेप

जयपुर, 8 फरवरी। जयपुर में सिरफिरे आशिक के महिला से रेप करने का मामला सामने आया है। पति की गैरमौजूदगी में घर में घुसकर आरोपी ने जबरदस्ती दुष्कर्म किया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। ब्लैकमेल कर धमकी देकर लगातार देशोषण करने लगा। महेश नगर थाने में पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करावाई। मामले की जांच अनिल कुमार मंड कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि महेश नगर निवासी 35 साल की महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। वह परिवार और बच्चों के साथ किराए से रहती है। कॉलोनी में रहने वाला गौरव शर्मा घर से आने-जाने पर उसके गंदी नजरों से देखता था। सहेली के जरिए मोबाइल नंबर लेकर आरोपी गौरव उसे कॉल करने लगा। मना करने पर भी सिरफिरे आशिक ने उसका पीछ नहीं छोड़ा। आरोप है कि पति की गैरमौजूदगी में आरोपी घर में घुसा आया। घर में अकेला पाकर जबरन उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने से जान से मारने की धमकी दी। मोबाइल में खींचे अश्लील फोटोज से ब्लैकमेल करने लगा। घर में अकेला पाकर आरोपी गौरव जबरन देशोषण करने लगा। टॉर्नर से परेशान होकर पीड़िता ने आरोपी सिरफिरे आशिक के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

पाली की घनेराव सीएचसी पहले नंबर पर

जोधपुर की डॉगियावास पीएचसी सबसे फिसड्डी राजस्थान में हॉस्पिटलों की वृद्धता रैकिंग

जयपुर, 8 फरवरी। राज्य चिकित्सा विभाग ने इस बार सरकारी हॉस्पिटलों की स्वच्छता रैकिंग भी जारी की है। राजस्थान में संचालित तमाम प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) में पिछले महीने कलेक्टर, एडीएम समेत प्रशासन के दूसरे अधिकारियों द्वारा की गई औचक विजिट के दौरान देखी गई सफाई व्यवस्था का रिपोर्ट कार्ड जारी किया। इस रिपोर्ट में पाली जिले के देसूरी ब्लॉक की घनेराव सीएचसी 86 अंकों के साथ अक्ल रही जबकि जोधपुर के मंडोर ब्लॉक की डॉगियावास पीएचसी 6 अंकों के साथ सफाई के मामले में सबसे फिसड्डी रही। स्वास्थ्य निदेशालय की ओर से जारी सूची में सफाई के मामले में जयपुर की कोटखावादा और हृदय के जाख की सीएचसी ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। इन दोनों इंस्टीट्यूट्स को क्रमशः 83 और 82 अंक मिले। सबसे अच्छे 10 सफाई हॉस्पिटल को इस सूची में



जालौर के आहोर सीएचसी को 81, जसवंतपुरा ब्लॉक के थूर पीएचसी को 80, बालोतरा की सिवाना के उप जिला हॉस्पिटल (एसडीएच) और बारां के छबड़ा सीएचसी को 79-79, उदयपुर के गिरवा ब्लॉक स्थित नई सीएचसी को 78, डूंगरपुर की सीमलवाड़ा और उदयपुर के वल्लभनगर ब्लॉक की मोदी सीएचसी को 77-77 अंक मिले हैं।

सीएम के निर्देश पर बना है रिपोर्ट कार्ड

पिछले महीने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में जाकर वहां की सफाई

और अन्य व्यवस्थाओं का दौरा किया था। इस दौरान गंदगी दिखने पर मुख्यमंत्री ने सबसे ज्यादा नाराजगी जताई थी। इसके बाद सरकार ने एक आदेश जारी करके प्रदेश के सभी हॉस्पिटलों में औचक निरीक्षण करने और उसकी रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए थे।

टॉप-10 खराब पीएचसी को ये मिले अंक

सबसे खराब रैकिंग में जोधपुर की डोगियावास के अलावा शेरगढ़ ब्लॉक की चवा, चतुरपुरा और पीपाड़ सिटी ब्लॉक की जालुपुर पीएचसी का नंबर आता है। इन पीएचसी को 11-11 अंक जबकि मंडोर ब्लॉक की नांदड़ी पीएचसी को 12 अंक मिले हैं। इनके अलावा डोग की गढ़ीमेवात को 1, डूंगरपुर की जेतना 11, खैरवल-तिजारा की रूपवास 12, राजसमंद के देलाड़ा ब्लॉक की अथनोल पीएचसी को 14 और सीकर के पलसाना ब्लॉक के एएम सेंटर को 13 अंक मिले हैं। सरकार के निर्देश के बाद सभागीय आयुक्त, जिला कलेक्टर, एडीएम, एसडीएम, तहसीलदार और मेडिकल ऑफिसरों ने प्रदेश के 1719 हॉस्पिटलों का औचक निरीक्षण करके वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया था। उनका इस निरीक्षण की रिपोर्ट के आधार पर ये रैकिंग जारी की गई।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

बढ़ती सर्दी में बेघरों की सुध लेना सरकार की ही नहीं आम लोगों की भी जिम्मेदारी



सामाजिक प्राणी होने के नाते हम सबकी भी जिम्मेदारी बनती है कि ठंड से ठिठुरते लोगों की हरसंभव सहायता प्रदान करें। इसके लिए "नेकी की दीवार" कार्यक्रम काफी हद तक मददगार साबित हो सकता है। सिर्फ सरकार के भरोसे रहने से समस्या का हल नहीं होने वाला है। कड़कड़ाती ठंड में ठिठुरती जिनगी पनाह मांगती, ओढ़ा दो कंबल मिले रहत जिनगी परवाह मांगती...। मानवीय संवेदानों के मूर्धन्य कथाकार प्रेमचंद की कहानी 'पूस की रात' का पात्र हल्कू भला किसे याद नहीं होगा। शीत ऋतु की चुभन से भरी स्याह रातों में खेत की चौकीदारी करता निर्धन कृषक हल्कू ठंड से बचने के लिए मुफ्लिसी की फटी कंबल ओढ़े कभी अलाव से अपने तन को तपाता है, कभी घुटनों को गर्दन में चिमटाता है, तो कभी चिलम के कश से अपने मन को बहलाता है। लेकिन अंततः जाड़े से जंग लेती जिनगी में हल्कू डार जाता है। सर्दी की सिरहान में खेत को आग की लपटों के हवाले कर देने वाले हल्कू के किरदार को आज भी आजादी के सात दशक बाद एक बड़ी निर्धन आबादी अपनी निजी जिनगी में जीने को विवश है।

बहरहाल, पूरा देश हाड़ कंपाने वाली ठंड से ठिठुर रहा है। सर्द हवा ने पशु पक्षी और आम ओ खास इंसान सभी को हलकान कर रखा है। पहाड़ों पर ही नहीं, बल्कि मैदानी इलाकों में भी सर्दी का सितम जारी है। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में तो कई जगहों पर पारा शून्य से नीचे पहुंच जाने के हालात बन रहे हैं। इस बीच मैदानी इलाकों में भी इंसाने गोता लगाया है। भयानक सर्दी की चपेट में आने के कारण उत्तर प्रदेश में 88 व कानपुर में 19 लोगों की मौत हो गई है। पंजाब में दो, झारखंड में आठ और बिहार में भी पांच की मौत हो गई है। उत्तर प्रदेश में शीतलहर से लोग परेशान हैं। शाम होते ही गलन बढ़ रही है। वही कानपुर देहात और गंगा किनारे के तीन शहर कानपुर, कन्नौज और उन्नाव में पारा शून्य पर लुढ़क गया है। मौसम विभाग के पास 1971 तक के उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर जनवरी में इतनी ठंड कभी नहीं पड़ी। इस बार औरिया में 0.6 और उर्दू में 2.6 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रहा है। मध्य प्रदेश के रीवा, शहडोल और म्वालिंजर-चंबल संभाग में कोहरे से लोग परेशान हो रहे हैं। दरअसल, बढ़ती हुई ठंड पर्यावरण की अनदेखी एवं ग्लोबल वार्मिंग का परिणाम है। प्रकृति के साथ छेड़छाड़ का नतीजा हम भुगत रहे हैं और ये चेतावनी है जो हमें संभल जाने का संकेत दे रही है। सर्दी के प्रकोप का सबसे अधिक प्रभाव उन बेघरों पर पड़ रहा है जिनके पास सिर छिपाने के लिए छत नहीं है। दरअसल, जीवन के सफर के लिए ये लोग कितने मोहताज हैं, इसका अंदाजा तो इनके अर्धनग्न बदन पर ओढ़े हुए फटे और मैले कंबल से हो जाता है। जै-जैसे ठंड का प्रकोप बढ़ने लगता है, इनकी परेशानियां विकारल रूप धारण करने लगती हैं। ये बेखौफ और निर्भीक निर्धन लोग ठंड का पूरे जोर-शोर से मुकाबला करते हैं, लेकिन प्रकृति के निर्दय तांडव के आगे इनके हीसले मात खा जाते हैं। नतीजतन, एक समय हाड़ कंपा देने वाली ठंड कुछ वक्त के बाद इनके हाड़ से प्राण लेकर ही दम लेती है। भीषण ठंड की भेंट चढ़ने वाले ये लोग केवल खबर बनकर रह जाते हैं। ऐसा शायद ही कभी हुआ हो कि किसी सियासी पार्टी के नेता ने इन लोगों के जीवन के लिए बुनियादी आवश्यकताओं की मांग के पक्ष में आवाज बुलंद की हो। वरना क्या कारण है कि ठंड के सितम के आगे मरने वाले इन लोगों की संख्या में हर साल इजाफा हो रहा है। एक अनुमान के मुताबिक, देश में सालाना लगभग आठ सौ लोगों की मौत ठंड के कारण हो जाती है। पिछले चौदह वर्षों में लगभग दस हजार से भी अधिक लोगों की जान ठंड ने ली है। इनमें पुरुषों की संख्या महिलाओं से काफी अधिक है। कारण साफ है कि महिलाओं के मुकाबले पुरुषों को रोजी-रोटी की तलाश में अधिक विस्थापित होना पड़ता है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान की रिपोर्ट के अनुसार, देश में सर्वाधिक ठंड प्रभावित राज्य वे हैं जहां बेघरों की संख्या सर्वाधिक है। इनमें उत्तर प्रदेश प्रथम पायदान पर है, क्योंकि यह देश में सबसे अधिक बेघरों की संख्या वाले राज्यों में भी यह अव्वल है। इसके अलावा महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात में भी स्थिति बहुत चिंताजनक है। हमारे देश में बेघरों की कुल संख्या भूदान की और फिजी की जनसंख्या से लगभग दोगुनी है। ठंड में जान गंवाते इन बेघरों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना का सुनहरा वायदा खोखला साबित हो रहा है। देश की एक बड़ी आबादी का यूँ फुटपाथ पर जिनदगी गुजर-बसर करना विकास और तरक्की की पोल खोलकर रख देता है। आखिर जिनगी और मौत की कशमकश में फंसे इन बेघरों को इनका वाजिब हक कब मिलेगा ? अगर इस दुर्दिन स्थिति का समग्र रूप से कायाकल्प हुआ होता तो आज कोई ठंड में ठिठुर कर फुटपाथों, मैदानों या पार्कों में अपने प्राण गंवाने को मजबूर नहीं हो रहा होता।

आज का राशिकफल

यह राशिकफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिकफल देखें।

मेघ (बु, च, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ड,छ,के,को,ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपको बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अभूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ष, ठ, ठे, ठो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सहायता होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटें कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भो, भू, धा, फा, दा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहे तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (मो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गु, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसकी नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, धा, झ, ज, दे, दो, वा, वी) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बड़ी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएँ, अन्य कार्यों में भी जल्दबाजी ना करें।

भूख की व्याकुलता एवं खाद्य पदार्थों की बर्बादी

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम और साझेदार संगठन डब्ल्यूआरएपी की ओर से जारी खाद्यान्न बर्बादी सूचकांक रिपोर्ट 2021 में कहा गया है कि 2019 में 93 करोड़ 10 लाख टन खाना बर्बाद हुआ, जिसमें से 61 फीसद खाना घरों से, 26 फीसद भोजन विक्रेता के यहां से और 13 फीसद खुदरा क्षेत्र से बर्बाद हुआ। रिपोर्ट के अनुसार यह इशारा करता है कि कुल वैश्विक खाद्य उत्पादन का 17 फीसद भाग बर्बाद हुआ और करीब 69 करोड़ लोगों को खाली पेट सोना पड़ा है। भारत दक्षिण एशिया में सालाना प्रति व्यक्ति खाना बर्बाद करने वाले देशों की लिस्ट में अंतिम पायदान पर है। भारत में घरों में बर्बाद होने वाले खाद्य पदार्थ की मात्रा प्रति वर्ष प्रति व्यक्ति 50 किलोग्राम होने का अनुमान है। भारत 116 देशों में वैश्विक भुखमरी सूचकांक में 101वें स्थान से फिसलकर पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल से भी पीछे चला गया है। एक तरफ भारत को दुनिया में एक उभरती आर्थिक महाशक्ति के रूप में देखा जा रहा है और दूसरी तरफ सबसे ज्यादा भूखे लोगों के देश के रूप में इसकी गिनती होती है, यह विरोधाभास मोदी सरकार के विकास एवं संतुलित समाज की संरचना पर एक प्रश्न है।

किसी भी देश में आम नागरिकों का स्वास्थ्य वहां के विकास की सचाई को बयान करता है। लोगों की सेहत की स्थिति इस बात पर निर्भर है कि उन्हें भरेपेट और संतुलित भोजन मिले। इस लिहाज से देखें तो विकास और अर्थव्यवस्था की रफ्तार बढ़ने के तमाम दावों के बीच भारत में अपेक्षित प्रगति संभव नहीं हो सकी है। गौरतलब है कि वैश्विक स्तर पर जारी हुए ताजा भुखमरी सूचकांक 2021 के आंकड़ों में भारत की स्थिति काफी दुःखद, त्रासदीपूर्ण एवं चिंताजनक है। दुनिया के एक सौ सत्रह देशों की सूची में भारत को एक सौ दो नंबर पर जगह मिल सकी है। जबकि पड़ोसी देश नेपाल, पाकिस्तान और बांग्लादेश को इस सूची में बेहतर जगह मिली है। यह कैसा विकास है? यह कैसे आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर होते कदम है? भूख, अभाव, अशिक्षा, अस्वास्थ्य, बेरोजगारी की त्रासदी को जो रहा कैसे विकसित राष्ट्रों में शुमार होगा, कैसे विश्व की बड़ी आर्थिक ताकत बनेगा?

कहीं-ना-कहीं हमारे विकास के मॉडल में खामी है या वर्तमान सरकार की कथनी और करनी में फर्क है। ऐसा लगता है कि हमारे यहां विकास के लुभावने स्वल्प को मुख्याधार की राजनीति का मुद्दा बनाने एवं चुनाव में वोटों को हासिल करने में तो कामयाबी मिली है, लेकिन इसके बुनियादी पहलुओं को केंद्र में रखकर जरूरी कदम नहीं उठाए गए या उन पर अमल नहीं किया गया। यह बेवजह नहीं है कि नेपाल, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देश भी इस मामले में हमसे बेहतर स्थिति में पहुंच गए, जो अपनी बहुत सारी बुनियादी जरूरतों तक



विवार बिन्दु

भुखमरी और गरीबी मिटाने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं एवं उनकी सरकार ने व्यापक प्रयत्न किये हैं, जिनका असर कालांतर में देखने को मिलेगा। जनकल्याण की जो योजनाएं चलाई गई हैं, पर अनियमितता एवं भ्रष्टाचार से मुक्त हो, इसके लिये व्यापक प्रयत्न करने होंगे। आजादी के बाद से एवं आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए यह सिर्फ संयोग नहीं है कि देश में सबसे ज्यादा अनियमितताएं उन्हीं गरीबी उन्मूलन नीतियों, सेवाओं और योजनाओं में हैं जिनका वास्ता समाज में कमजोर तबकों से होता है।

के लिए आमतौर पर भारत या दूसरे देशों पर निर्भर रहते हैं। साफ है कि हमारी प्रगति की तस्वीर काफी विवसंगतिपूर्ण है और इससे उस सच्चाई की पुष्टि होती है जिसे अक्सर इंडिया बनाम भारत के मुहावरे में व्यक्त किया जाता है। ताजा रिपोर्ट भारत की एक बड़ी जनसंख्या की बदहाली का अकेला सबूत नहीं है। खुद देश में सरकार एवं अन्य एजेंसियों की तरफ से कल्प एवं सर्वेक्षण और कई दूसरे अध्ययनों के जरिए कंगाली, भुखमरी और कुपोषण के दहलाने वाले आंकड़े समय-समय पर विकास की शर्मनाक तस्वीरें प्रस्तुत करते रहे हैं। यों ऐसे हालात लंबे समय से बने हुए हैं कि एक ओर रखखाव के पर्याप्त इंतजाम और जरूरतमंदों तक पहुंच के अभाव में भारी पैमाने पर अनाज सड़क, खेतों एवं खुले स्थानों पर बर्बाद हो जाता है, दूसरी ओर देश में बड़ी तादाद ऐसे लोगों की है, जिन्हें पेट भरने लायक भोजन नहीं मिल पाता। इस मसले पर एक बार सुप्रिम कोर्ट को

यहां तक कहना पड़ा था कि गोदामों में या उनके बाहर सड़कर अनाज के बर्बाद होने से अच्छा है कि उसे गरीबों में मुफ्त बांट दिया गया। लेकिन इस तत्त्व रख के बावजूद न सरकारों का रूख बदला, न इस मामले पर कोई नीतिगत कदम उठाये गये हैं। आज भी नीतियों और व्यवस्थागत कमियों की वजह से भारी पैमाने पर अनाज की बर्बादी होती है और कहीं बहुत सारे लोगों की थाली में जरूरत भर भी भोजन नहीं पहुंच पाता। अफसोस की बात है कि विकास के व्योमों में इस समस्या को पर्याप्त जगह नहीं मिल पाती। यही वजह है कि जब विकास की संपूर्ण तस्वीर का आकलन होता है तो उसमें हमारा देश काफी पीछे खड़ा दिखता है, जबकि अर्थव्यवस्था के साथ-साथ अन्य कसौटियों पर अपेक्षकृत कमजोर माने वाले हमारे कुछ पड़ोसी देशों ने इस मसले पर एक निरंतरता की नीति अपनाई और अपनी स्थिति में सुधार किया। दुनिया में भुखमरी बढ़ रही है और भूखे लोगों की

विद्या की देवी माँ सरस्वती की आराधना का पर्व है बसंत पंचमी

माघ का महीना लगते ही शरद ऋतु अपना बोरिया बिस्तर बांधने में जुट जाता है। पेड़पौधे पर नई कोपलें और कलियां दिखने लगती हैं। सुवासित वातावरण में सबको इंतजार होता है बसंत पंचमी का। यानी वह दिन जो हिंदू परम्परा के अनुसार मां सरस्वती को समर्पित है। यह दिन होली के आगमन का भी दिन माना जाता है। बसंत पंचमी पर पीले रंग का वस्त्र पहनना विशेष महत्व रखता है। संयोग से मां सरस्वती के वस्त्र का रंग भी यही है। माना जाता है कि बसंत पंचमी के दिन ही मां सरस्वती का जन्म हुआ था। इसीलिए लोग न केवल उनकी आराधना करते हैं बल्कि उत्सव भी मनाते हैं। पहली बार विद्यालय जाने वाले बच्चों को भी कलमवदात से लिखना सिखाया जाता है।

बच्चों मां सरस्वती की पूजा करते हैं क्योंकि वह ज्ञान की विपुल भंडार हैं। विद्या की तो वे देवी हैं। इस अवसर पर स्कूलों और कालेजों में भी उत्सव मनाया जाता है। बड़े शहरों और महानगरों में तो यह दिखता नहीं मगर कस्बों और गांवों में आज भी स्कूलों में बसंत पंचमी मनाई जाती है। गली मुहल्लों में मां सरस्वती की मूर्ति पंडाल में सजा कर उनकी पूजा की जाती है। पंडित मदन मोहन मालवीय ने बसंत पंचमी के दिन ही काशी हिंदू

विश्वविद्यालय की नींव रखी थी, जो आज भी पूरी दुनिया में मशहूर है। बसंत पंचमी पर कई लोग गंगा स्नान करते हैं और मां गंगा की पूजाअर्चना करते हैं। सूर्य भगवान की भी पूजा की जाती है। सूर्य और गंगा के अलावा पृथ्वी की भी आराधना की जाती है। लोगों का मानना है कि जल, जीवन और अन्न देने वाले इन देवदेवियों की पूजा जरूरी है। लोग इनकी पूजा कर भगवान के प्रति कृतज्ञता जताते हैं। पूरी सृष्टि का निर्माण भी तो पृथ्वी सूर्य और जल से हुआ है इसीलिए हिंदुओं में इस दिन तीनों भगवान की पूजा करने की परम्परा है। प्रकृति की पूजा करना हर मनुष्य का कर्तव्य होना चाहिए।

बसंत पंचमी पर एक तरफ जहां लोग धूमधाम से और उत्साहपूर्वक मां सरस्वती की पूजा करते हैं वहीं दूसरी तरफ कुछ लोग इस दिन ब्राह्मणों को खाना खिलाते हैं तो कुछ अपने पूर्वजों को तर्पण देते हैं। इस दिन प्रेम के देवता कामदेव की भी पूजा की जाती है। पीली मिठाइयों दोस्तों और रिश्तेदारों में बांटी जाती हैं। मकर संक्रांति के बाद बसंत पंचमी हिंदू रीतिरिवाज के अनुसार काफी महत्व रखती है। इस दिन लोग अपने कुल देवताकुलदेवी की भी पूजा करते हैं और शक्ति व समृद्धि की कामना करते हैं। मां सरस्वती की पूजा कर

छात्र और अन्य लोग बुद्धि और विवेक की कामना करते हैं। कहा जाता है एक बहुतबड़े साम्राज्य के राजा की जितनी महत्ता होती है उससे ज्यादा महत्ता ज्ञान की होती है। जहां राजा अपने राज्य में पूजा जाता है वहीं ज्ञान की पूजा हर जगह होती है। संतमहात्मा और धर्म का ज्ञान रखने वाले लोग मां सरस्वती की पूजा को महत्वपूर्ण समझते हैं।

मां सरस्वती के वाहन की भी महत्ता है। सफेद हंस सत्वगुण (शुद्धता और सत्य) का प्रतीक है। मां के पीले वस्त्र शांति और प्रेम का प्रतीक हैं। इसीलिए इस दिन लोग पीले वस्त्र पहनते हैं ताकि उनका जीवन शांति और प्रेमपूर्ण हो। यों तो पीला रंग बसंत ऋतु के आगमन का भी प्रतीक है। बसंत ऋतु फसल पकने का भी संकेत देता है। इस दिन जो पूजा करते हैं वहीं दूसरी तरफ कुछ पीला दिन ब्राह्मणों को खाना खिलाते हैं तो कुछ अपने पूर्वजों को तर्पण देते हैं। इस दिन प्रेम के देवता कामदेव की भी पूजा की जाती है। पीली मिठाइयों दोस्तों और रिश्तेदारों में बांटी जाती हैं। मकर संक्रांति के बाद बसंत पंचमी हिंदू रीतिरिवाज के अनुसार काफी महत्व रखती है। इस दिन लोग अपने कुल देवताकुलदेवी की भी पूजा करते हैं और शक्ति व समृद्धि की कामना करते हैं। मां सरस्वती की पूजा कर

करीब 23 फीसदी आबादी भारत में रहती है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में भुखमरी के कारणों में युद्ध, संघर्ष, हिंसा, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आघात आदि की तो बात करती है लेकिन नवसाम्राज्यवाद, नवउदारवाद, मुक्त अर्थव्यवस्था और बाजार का ढांचा भी एक बड़ा कारण है, अमरी-गरीबी के बीच बढ़ता फासला आदि की चर्चा नहीं होती। भारत की अर्थव्यवस्था की एक बड़ी विसंगति यह रही है कि यहां एक तरफ गरीब है तो दूसरी तरफ अति-अमीर है। इन दोनों के बीच बड़ी खाई है। इस बढ़ती खाई पर ज्यादा शोरशराबा नहीं होता तो इसकी एक वजह यह भी है कि मान लिया गया है कि उच्च वर्गों की समृद्धि की रिसन उंची विकास दर के जरिए गरीबी उन्मूलन का लक्ष्य अपने आप पालिया जाएगा। यह उम्मीद पूरी तरह भ्रामक है और पूरी होती नहीं दिखती। उल्टे विश्व खाद्य कार्यक्रम की रिपोर्ट बताती है कि सरकारों द्वारा निर्धारित अनाज की ऊंची कीमतों के चलते दुनिया में साढ़े सात करोड़ वैसे लोग भुखमरी की चपेट में आ गए हैं जो पहले इससे ऊपर थे। भूखे या अधपेट रह जाने वाली जनसंख्या में हुए इस इजाफे में तीन करोड़ लोग केवल भारत के हैं। इसमें पीने के पानी, कम से कम माध्यमिक स्तर तक शिक्षा और बुनियादी चिकित्सा सुविधाओं के अभाव को जोड़ लें तो हम देख सकते हैं कि भारत आजादी के सात दशक बाद भी असल में वंचितों की दुनिया है।

देश का एक बहुत बड़ा वर्ग आज भी गरीबी, अभाव, भूखमरी में घुटा-घुटा जीवन जीता है, जो परिस्थितियों के साथ संघर्ष नहीं, समझौता करवाता है। हर वक्त अपने आपको असुरक्षित-सा महसूस करता है। जिसमें आत्मविश्वास का अभाव अंधेरे में जीना सिखा देता है। जिसके लिए न्याय और अधिकार अर्थशून्य बन जाता है। एक तरफ भूखमरी तो दूसरी ओर महंगी दावतों और धनाढ्य वर्ग की विलासिताओं के अम्बार, बड़ी-बड़ी दावतों में जूटन की बहुतायत मानवीयता पर एक बन्दनमा दाग है। इस तरह व्यर्थ होने वाले भोजन पर अंकुश लगाया जाए, विज्ञान कंपनियों को भी दिशा निर्देश दिए जाएं, होटलों और शैक्षिक संस्थानों, दफ्तरों, कैटीनों, बैठकों, शादी और अन्य समारोहों और अन्य संस्थाओं में खाना बेकार न किया जाए। इस भोजन का हम अपने समाज की बदहाली, भूखमरी और कुपोषण से छुटकारे के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। सरकार के भरोसे ही नहीं, बल्कि जन-जागृति के माध्यम से ऐसा माहौल बनाना चाहिए। आखिर में खुद से पृष्ठना चाहिए कि क्या हम अशांति, अस्थिर, हिंसक और अस्वस्थ समाज चाहते हैं या उसे बदलना चाहते हैं? क्या हम भूखमरी में अव्वल राष्ट्र के नागरिक होना चाहते है या खुशहाल एवं साधन-सम्पन्न नागरिकों के राष्ट्र के नागरिक?



आज का इतिहास

09 जनवरी की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1431	फ्रांस में 'जोन ऑफ आर्क' के विरुद्ध मुकद्दमे की शुरुआत हुई।
1718	फ्रांस ने स्पेन के खिलाफ लड़ाई की घोषणा की।
1768	फिलिप एस्टले ने पहले 'मॉर्डन सर्कस' का प्रदर्शन किया।
1792	तुर्की और रूस ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किये।
1816	सर हम्फ्री डेवी ने खदानकारियों के लिए पहले 'डेवी लैम्प' का परीक्षण किया।
1914	महात्मा गाँधी दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे।
1918	महात्मा गाँधी दक्षिण अफ्रीका से लौटने के बाद अब मुंबई पहुंचे।
1918	भालू घाटी के युद्ध: रेड इंडियनों और अमेरिकी सैनिकों के बीच अंतिम युद्ध 'बैटल ऑफ बिबर वैली' का आगाज हुआ। रेड इंडियनों और अमेरिकी सैनिकों के बीच अंतिम युद्ध (बैटल ऑफ बिबर वैली) का आगाज।
1923	जुआन डि ला सिर्वां ने पहली 'ऑटोगायरो फ्लाइट' का निर्माण किया।
1941	यूरोपीय देश रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट में छह हजार यहूदियों की हत्या।
1970	सिंगापुर में संविधान अपनाया गया।
1982	पहला भारतीय वैज्ञानिक दल अंटार्कटिका पहुंचा।
1991	अमेरिकी और इराकी प्रतिनिधियों की ओमान पर इराकी कब्जे के सम्बंध में जेनेवा शांति बैठक में मुलाकात।
2001	बांग्लादेश में हिन्दुओं की सम्पत्ति लौटाने संबंधी विधेयक मंजू।
2005	अराफात को 'फिलिस्तीनी लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन' के शीर्ष पद से हटाने के लिए चुनाव।

विश्व की प्राचीन व समृद्ध भाषा है हिन्दी

विवार बिन्दु



रमेश सर्राफ धमोरा
हिन्दी किसी भाषा से कमजोर नहीं है। हमें जरूरत है तो बस अपना आत्मविश्वास मजबूत करने की। और मौलिक विचार उसी भाषा में हो सकता है।

हिन्दी विश्व की एक प्राचीन, समृद्ध भाषा होने के साथ ही हमारी राजभाषा भी है। भारत की स्वतंत्रता के बाद 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने निर्णय लिया था कि हिन्दी की खड़ी बोली ही भारत की राजभाषा होगी। इस महत्वपूर्ण निर्णय के बाद ही हिन्दी को हर क्षेत्र में प्रचारित-प्रसारित करने के लिए प्रतिवर्ष हिन्दी-दिवस मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, और दिल्ली राज्यों की हिन्दी राजभाषा भी है। राजभाषा बनने के बाद हिन्दी ने विभिन्न राज्यों के कामकाज में आपसी लोगों से संपर्क स्थापित करने का अभिभव कार्य किया है। लेकिन विश्व भाषा बनने के लिए हिन्दी को अब भी दुनिया के 129 देशों के समर्थन की आवश्यकता है। भारत सरकार इस दिशा में तेजी से कार्य कर रही है, उससे यह संभावनाएं जता सकते हैं कि शीघ्र ही हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा में शामिल कर लिया जायेगा।

हिन्दी प्रेम, मिलन और सौहार्द की भाषा है। यह मुख्य रूप से आर्यों और पारसियों की देन है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से हिन्दी और

देवानगरी के मानकीकरण की दिशा में अनेक क्षेत्रों में प्रयास हुये हैं। हिन्दी के विकास में अनेक लोगों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। हिन्दी भारत की सम्पर्क भाषा भी है। अतः हम कह सकते हैं की हिन्दी एक समृद्ध भाषा है। भारत की राष्ट्रीय एकता को बनाये रखने में हिन्दी भाषा का बहुत बड़ा योगदान है। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 10 जनवरी 2006 को प्रति वष विश्व हिन्दी दिवस के रूप मनाये जाने की घोषणा की थी। उसके बाद से भारतीय विदेश मंत्रालय ने विदेश में 10 जनवरी 2006 को पहली बार विश्व हिन्दी दिवस मनाया था। प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी हम 10 जनवरी को विश्व हिन्दी दिवस मना रहे हैं। इस दिवस को मनाने का मूल उद्देश्य विश्व में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिये जागरूकता पैदा करना तथा हिन्दी को अन्तर्राष्ट्रीय भाषा का दर्जा दिलवाना है।

चीनी भाषा के बाद हिन्दी विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली दूसरी सबसे बड़ी भाषा है। भारत और अन्य देशों में 70 करोड़ से अधिक लोग हिन्दी बोलते,पढ़ते और लिखते हैं। पाकिस्तान की तो अधिकांश आबादी हिंदी बोलती व समझती है।

बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, तिब्बत, म्यांमार, अफगानिस्तान में भी लाखों लोग हिंदी बोलते और समझते हैं। फिजी, सुरिनाम, गुयाना, त्रिनिदाद जैसे देश तो हिंदी भाषियों द्वारा ही बसाए गये हैं। एक तरह से देखें तो पूरी दुनिया में हिंदी भाषियों की संख्या लगभग सौ करोड़ है। हिन्दी के ज्यादातर शब्द संस्कृत, अरबी के पूर्व प्राथमिकी से लिए गए हैं। इस कारण हिन्दी अपने आप में एक समर्थ भाषा है। जहां अंग्रेजी में मात्र 10,000 मूल शब्द हैं, वहीं हिन्दी के मूल शब्दों की संख्या 2 लाख 50 हजार से अधिक है। 10 जनवरी 1975 को प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन आयोजित हुआ था। इसीलिए प्रतिवर्ष 10 जनवरी को विश्व हिन्दी दिवस मनाया जाता है। 1975 के बाद से ही विश्व में हिन्दी का विकास करने और इसे प्रचारित-प्रसारित करने के उद्देश्य से विश्व हिन्दी सम्मेलनों में हर जगह हिन्दी भाषा के शुरुआत की गई थी। हिन्दी आज विश्व भाषा बनने की दिशा में अग्रसर है। नरेन्द्र मोदी जब से देश के प्रधानमंत्री बने हैं उससे बाद से हिन्दी का बोलबाला बढ़ा है। प्रधानमंत्री देश दुनिया में हर जगह हिन्दी भाषा में ही अपना भाषण देते हैं। उनके कारण अन्य

मंत्रोगण व अधिकारी भी हिन्दी के प्रयोग को प्राथमिकता देने लगे हैं। हिन्दी विरोधी माने जाने वाले दक्षिण भारत के प्रदेशों की यात्रा में भी प्रधानमंत्री जनसभाओं को हिन्दी भाषा में ही सम्बोधित करते हैं। हालांकि वहाँ को समझाने के लिये अनुवादक उसका स्थानीय भाषा में अनुवाद करता रहता है। प्रधानमंत्री के प्रयासों से जिस प्रकार संयुक्त राष्ट्र संघ ने योग दिवस को मान्यता प्रदान की उसी तरह से आने वाले समय में हिन्दी को वैश्विक भाषा की मान्यता मिल जायेगी।हिन्दी ने भाषा, व्याकरण, साहित्य, कला, संगीत के सभी माध्यमों में अपनी उपयोगिता, प्रासंगिकता एवं वर्चस्व कायम किया है। हिन्दी की यह स्थिति हिन्दी भाषियों और हिन्दी समाज की देन है। लेकिन हिन्दी समाज का एक तबका हिन्दी की दुर्गति के लिए जिम्मेदार है। अंग्रेजी बोलने वाला अधिक ज्ञानी और बुद्धिजीवी होता है यह धारणा हिन्दी भाषियों में हीन भावना ग्रसित करती है। हिन्दी भाषियों को इस हीन भावना से उबरना होगा। क्योंकि मातृभाषा में ही मौलिक विचार आते हैं। शिक्षा का माध्यम भी मातृभाषा होनी चाहिए। शिक्षा विचार करना सिखाती है।

डिजिटल सिस्टम से होगी सेहत की रखवाली

हैल्थ संवाददाता

हर इंसान चुस्त-दुरुस्त रहना चाहता है। नए साल के मौके पर हैल्थकेयर इंडस्ट्री आपके लिए खास चीजें लेकर आने वाली है।

जैसे-जैसे समय गुजरेगा आपको पता लगेगा कि अब सेहतमंद रहना आपकी मुट्ठी में है। आप चाहें तो स्मार्टफोन की मदद से भी स्वस्थ रह सकते हैं। अब डॉक्टर्स के पीछे भागने की जरूरत नहीं होगी। आपको किसी भी समय, कहीं भी बेहतरीन चिकित्सा सुविधाएं मिल जाएंगी।

घंटों वर्कआउट से पसीना बहाया और अपनी पसंदीदा खाने की चीजों से समझौता भी किया। हर उस डाइट को अपनाने की कोशिश की जो कुछ दिनों में काया पलटने के दावे करती थी। इन सबके बाद भी वजन कम न हो तो प्रश्न उठता है कि आखिर करें तो क्या? विशेषज्ञ कहते हैं कि यह एक दिन की दौड़ नहीं मैराथन है। अच्छे नतीजों के लिए लंबे समय तक तैयारी जारी रखनी होती है। वजन बढ़ना और तमाम प्रयास के बावजूद वजन कम न कर पाना कई बातों पर निर्भर करता है। तनाव, आनुवंशिक कारण, नींद पूरी न होना, थाइरॉइड या मेनोपॉज के दौरान होने वाले हार्मोनल बदलाव वजन बढ़ने का कारण हो सकते हैं। लेकिन यह भी संभव है कि जानकारी के अभाव में आप ऐसी गलतियां कर रहे हों, जो आपकी सभी कोशिशों पर भारी साबित हो रही हैं।

लक्ष्य हो व्यावहारिक

मुंबई स्थित न्यूट्रिशनल माधुरी रुइया के अनुसार, एक हफ्ते में 5 किलो या एक माह में 20 से 25 किलो वजन कम करने जैसे अव्यावहारिक लक्ष्य न बनाएं। धीमी गति से लंबे समय तक वजन कम करने के लिए खुद को तैयार करें। अपने वजन का एक प्रतिशत हर सप्ताह कम करें। अगर आप पुरुष हैं और कद 180 सेमी व वजन 95 कि.ग्रा. है, तो अपना आदर्श वजन निकालने के लिए कद में से 100 घटा दीजिए। इस मामले में यह 80 कि.ग्रा. होगा। अब अगर 15 किलोग्राम वजन कम करना है, तो एक हफ्ते में 950 ग्राम वजन कम करने का लक्ष्य बनाएं। अगले हफ्ते 900 ग्राम, उसके बाद 850 ग्राम। महिलाओं को कद में से 105 कि.ग्रा. घटाना चाहिए। पुरुषों की कमर 36 इंच व महिलाओं की 31.5 इंच से कम होनी चाहिए।

अपने शरीर को समझे

वेलनेस एक्सपर्ट डॉ. शिखा शर्मा अपनी पुस्तक आर यू फोर्निंग योर हंगर और योर इमोशंस में लिखती हैं, जिन के कारण शरीर के मेटाबॉलिज्म, संरचना व भावनात्मक प्रतिक्रिया पर असर पड़ता है, पर यह भूमिका केवल 30% होती है। दृढ़ इच्छाशक्ति, सही डाइट व उचित व्यायाम का चुनाव करके वजन कम किया जा सकता है। शरीर के कुल वजन में मांसपेशी, वसा, हड्डी और पानी का वजन शामिल होता है। डॉ. माधुरी कहती हैं, जब सही तरीके से वजन कम करते हैं तो सबसे अधिक वसा कम होती है। मांसपेशियां मजबूत होती हैं। पर लंबे समय तक लो कैलोरी डाइट से मांसपेशियों का द्रव्यमान तो कम होता ही है, वसा का स्तर भी बढ़ता है। पर्याप्त पोषण के अभाव में कमजोरी व थकावट होती है। शरीर का आकार बिगड़ने लगता है। साथ ही वसा व शरीर के आपसी तालमेल में भी गड़बड़ी उत्पन्न होती है। टॉक्सिन पैदा करने वाली चीजें और अपचा भोजन शरीर में विषाक्त तत्वों को बढ़ाते हैं। आयुर्वेद के अनुसार इससे ऊर्जा का प्रवाह पूरे शरीर में नहीं हो पाता। लिबर कमजोर होता है। बार-बार खाने की इच्छा होती है।

पुरुषों की कमर 36 इंच व महिलाओं की 31.5 इंच से कम होनी चाहिए।

यह एक अकाट्य तथ्य है कि भोजन स्वास्थ्य की आवश्यकता है, स्वाद की नहीं। आज हम भोजन स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए नहीं, जिज्ञा के स्वाद के लिए करते हैं। शरीर का पोषण करने वाले तत्वों की अनदेखी कर स्वाद का रस प्रदान करने वाले फास्ट फूड एवं जंक फूड को ज्यादा महत्व दे रहे हैं। भौतिकवादी वर्तमान युग में भोजन को केवल जायके एवं स्वाद की नजर से देखने का कारण डिब्बाबंद आहार एवं फास्ट फूड का रिवाज बढ़ गया है। वैज्ञानिक मान्यता है कि फास्ट फूड आधारित आहार में विद्यमान कैलोरी और वसा हमारी एक

शरीर पर विकृत आहार का प्रभाव

दिन की ऊर्जा जरूरत पूरी करने में समर्थ तो है मगर इसकी आदत पड़ जाने से हम दिन में कई बार इसकी ओर आकर्षित होने लगते हैं। परिणामस्वरूप शरीर में वसा की मात्रा बढ़ने लगती है और हम अनचाहे मोटापे का शिकार बन जाते हैं। डिब्बाबंद भोज्य पदार्थों में जिन रसायनों का प्रयोग किया जाता है, वे शरीर के न्यूरोहार्मोनल संस्थान पर असर डालते हैं। इन खाद्य पदार्थों को आकर्षक एवं तरोताजा रखने के लिए सोडियम बेंजाइक एसिड, मैग्नीशियम क्लोराइड, कैल्शियम साइट्रेट, सल्फर डाइ-आक्साइड, एरोश्रोसीन आदि

मिलाया जाता है। भोज्य पदार्थों में मिलाए जाने वाले इन रसायनों के असर बताने वाले शोधकर्ता रोंगटे खड़े करने वाले आंकड़े प्रस्तुत करते हैं। बेंजोइक एसिड बहुत अधिक हानिकारक रसायन है। इसकी हल्की-सी मात्रा भी त्वचा को झुलसाने में सक्षम है। इसकी दो ग्राम मात्रा कुत्ते या बंदर को दी जाए तो वह तुरन्त मर जायेगा। मैग्नीशियम क्लोराइड तथा कैल्शियम साइट्रेट से आंतों में घाव हो जाते हैं। इनके कारण मसूड़ों में सूजन आ जाती है तथा किडनी क्षतिग्रस्त हो सकती है। सल्फर डाइआक्साइड से उदर-विकार उत्पन्न

होते हैं। एरोश्रोसीन भोजन की नली से लेकर समूचे पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचाती है। यही नहीं, डिब्बाबंद आहार के इस्तेमाल से ई. कोलाइ, सालमोनेला, सुजेला क्लेकसुला जैसे जीवाणुओं एवं विषाणुओं का संक्रमण हो जाता है। इससे निमोनिया, बेहोशी, तेज बुखार, मस्तिष्क ज्वर, दृष्टिदोष, सयु विकास, हृदयाघात आदि बीमारियां पनपने लगती हैं। स्वास्थ्य संबंधी इन गंभीर परिणामों को जानते हुए भी फास्ट फूड एवं जंक फूड का बढ़ता रिवाज किसी सामूहिक विनाश को आमंत्रण प्रदान करने के समान है।

एप्स करेंगे सेहत की रखवाली

वर्ष 2015 में हम सबने देखा कि किस तरह से हैल्थ एप्स ने हमारी सेहत की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। साल 2016 में सेहत के लिए हैल्थ एप्स पर निर्भर रहने वालों की संख्या में तेजी से इजाफा होगा। इन एप्स की मदद से कहीं भी और कभी भी सेहत संबंधी सलाह ली जा सकती है। ये एप्स आपातकालीन स्थिति में काफी मददगार साबित होते हैं। जहां साल 2013 में 16 फीसदी यूजर्स के फोन में कम से कम एक हैल्थ एप हुआ करता था वहीं वर्ष 2015 में यह आंकड़ा बढ़कर 32 फीसदी हो चुका है। कनेक्टेड डिवाइस फिटनेस ट्रेकर तक ही सीमित नहीं रहेंगे। आने वाले समय में ईसीजी मॉनिटर, ग्लूकोज ट्रेकर, कनेक्टेड पेसमेकर का ट्रेंड रहेगा। अपरिहार्य स्थिति को नियंत्रित करने के लिए ये एप्स सीधे विशेषज्ञों के साथ जानकारीयां शेयर कर सकेंगे जिससे मरीजों को काफी लाभ मिलेगा।

मेंटल हैल्थ पर रहेगा जोर

वर्ष 2016 में वास्तविक ब्रांड ड्रग्स के मुकाबले बायोसिमिलियर ड्रग्स का चलन बढ़ेगा जिससे दवा की कीमतों में भी कमी आएगी। हैल्थ के क्षेत्र में मेंटल हैल्थ पर सबसे ज्यादा फोकस किया जाएगा। लोगों के शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक सेहत को सुधारने की दिशा में बड़े कदम उठाए जाएंगे। एक शोध के मुताबिक हर पांच में से एक अमरीकी वयस्क मानसिक रोग से ग्रस्त है। सालाना खर्चों रुपयों के मानसिक स्वास्थ्य के बिजनेस के और तेजी से बढ़ने का अनुमान है।

वजन कम न होने की वजह

शुरुआती उत्साह में लोग व्यायाम अधिक करते हैं और खाने कम हैं। नतीजा होता है कि शुरुआत के दो सप्ताह बाद ही शेड्यूल पर कायम नहीं रह पाते। पर्याप्त डाइट के अभाव में मेटाबॉलिक रेट कम होने लगती है। शुरु में तो वजन कम होता है, पर धीरे-धीरे बढ़ने लगता है। डॉ. माधुरी कहती हैं, शुरुआत आसान व्यायाम से करें। कई तरह के व्यायाम करें, एरोबिक व्यायाम, स्टेमिना बढ़ाने वाले व्यायाम और क्रॉस ट्रेनिंग। कार्डियो और वेट ट्रेनिंग दोनों में संतुलन बनाएं। कम से कम सप्ताह में तीन बार वेट ट्रेनिंग करें और नियमित 20 मिनट कार्डियो व्यायाम करें।

वसा और कार्बोहाइड्रेट से परहेज

कार्बोहाइड्रेट व पोषक तत्व हैं जो ऊर्जा में सबसे बेहतर तरीके से परिवर्तित होते हैं। ऐसे में आहार से कार्बोहाइड्रेट को बहुत कम करना यानी कार को बिना ईंधन के चलाना। पूरी तरह कार्बोहाइड्रेट बंद करने की जगह रिफाईंड कार्बोहाइड्रेट जैसे ब्रेड, क्रैकर्स, सफेद चावल, बिस्कुट व मैदा से बनी चीजों को कम करें। घर का बना संतुलित आहार खाएं। भोजन से पूरी तरह वसा यानी चिकनाईयुक्त पदार्थ हटाने से बार-बार खाने की इच्छा बढ़ जाती है। शरीर पोषक तत्वों को ढंग से ग्रहण नहीं करता। वसा में घुलनशील विटामिन ए, डी व कैल्शियम शरीर को नहीं मिल पाते। इसी तरह पूरी तरह ग्लूटन फ्री डाइट यानी गेंहू, जौ व साबुत अनाज न खाना शरीर में फोलेट व फाइबर तत्वों की कमी करता है।

भोजन न करना

यह सही है कि दोपहर में भोजन न करके सीधे रात में भोजन करना आपकी कैलोरी की मात्रा को घटा सकता है। पर भूख और तृप्ति का एहसास कराने वाले ग्लिन और लैप्टिन हार्मोन तभी ढंग से काम करते हैं जब हम हर चार घंटे बाद कुछ न कुछ खाते हैं। खान-पान और व्यायाम से जुड़े अधिक प्रतिबंध भूख लगने की प्रक्रिया को बाधित करते हैं। दिसंबर 2015 में हुए एक शोध में चूहों के खाने में लंबे अंतराल रखने पर उनमें तृप्ति का एहसास कराने वाले ग्लिन हार्मोन के स्तर में कमी देखने को मिली। जिससे उन्होंने बाद में पहले से अधिक खाया। इससे शरीर की हानिकारक वसा को लाभदायक वसा में बदलने की क्षमता भी कम होती है।

गलत डाइट का चुनाव

हर शरीर की डाइट संबंधी जरूरत अलग होती है। बिना जाने कोई भी डाइट अपनाने से डाइट या तो जेब पर भारी पड़ती है या फिर शरीर को पर्याप्त पोषण नहीं मिलता। लंबे समय तक सूप व सलाद पर आधारित क्रेश डाइट अपनाने से शुरुआत में वजन कम होता है, पर ये स्थायी नहीं रह पाता। डाइट में से पूरी तरह प्रोटीन यानी अंडा, दूध, पनीर और मुर्गी उत्पादों को हटाने से कमजोरी महसूस होती है, मांसपेशियों में अनियमितता आती है, बाल व नाखून टूटते हैं, असमय बुढ़ापा नजर आने लगता है। पोषण व जेब दोनों के अनुकूल डाइट ही स्थायी रह पाती है। हफ्ते में एक दिन कुछ मनपसंद भी खाएं।

उफ! क्या करें... वजन ना हुआ कम

सेहत भी जरूरी

इस बात में कोई तूक नहीं कि आप वजन कम करने के लिए सेहत और शरीर के लिए जरूरी ऊर्जा से समझौता करें। सही तरीके से वजन कम करें। वजन कम करने में बढ़िया डाइट और व्यायाम का तालमेल बेहद जरूरी है। सभी समूह का भोजन करें यानी ज्वार बाजार आदि साबुत अनाज लें, तो ब्राउन राइस, पनीर, दूध आदि भी लें। कम स्टार्च वाली सब्जियां काली मिर्च, गोभी, ब्रोकली व मशरूम भी खाएं, तो कुछ मात्रा में वसा उत्पाद भी। वजन कम करने की प्रक्रिया आसान लगेगी। ऊर्जा का स्तर बना रहेगा।



बच्चे के गले में जब फंस जाए सिक्का

तब आजमाएं ये अचूक उपाय



गले में सिक्का अटकने पर

कई बार छोटे बच्चे सिक्का या कोई अन्य चीज निगल लेते हैं, जिससे वह गले में फंस जाती है। ऐसा होने पर बच्चे को खड़ा करके मुंह में रुमाल फंसाते हुए सिर के पीछे की तरफ बांध दें। इससे वह लंबी सांस नहीं लेगा। लंबी सांस लेने से सिक्का अंदर जाकर आंतों में फंस सकता है। फिर आगे की ओर झुकाकर एक हाथ नाभि पर रखें व दूसरे हाथ से थपथपाएं। फंसी चीज बाहर आ जाएगी। नकसीर, चक्कर व लो-हाई बीपी जैसी आम परेशानियां हैं। अगर अचानक कहीं किसी का बीपी लो हो जाए, तो फर्स्ट एड के रूप में इन तरीकों को अपनाकर स्थिति को नियंत्रित किया जा सकता है...

चक्कर आने की स्थिति में

दो चम्मच चीनी व चौथाई चम्मच नमक का घोल बनाकर दें व नाक और मुंह के बीच वाले स्थान को दबाएं। ध्यान रहे चीनी व नमक के घोल वाला उपाय सामान्य लोग ही करें। हाई बीपी व डायबिटीज के मरीज न करें। वे फर्स्ट एड के तौर पर नाक व मुंह के बीच वाले स्थान को दबाने वाला तरीका आजमा सकते हैं।

लो-ब्लडप्रेशर

हथेली-तलवे ठंडे होकर उनमें पसीना आना इसके लक्षण हैं। ऐसा होने पर दोनों हथेलियों व तलवों को 5-10 मिनट तक रगड़ें।

हाई ब्लडप्रेशर

सांस में तकलीफ, घबराहट व पसीना आना इसके लक्षण हैं। ऐसा होने पर आज्ञाचक्र (माथे पर बिंदी लगाए जाने वाला स्थान) को एक से डेढ़ मिनट तक दबाएं। इसके अलावा दोनों हाथों की सबसे छोटी अंगुली के नाखून दबाएं।

सीने में तेज दर्द या जलन

ऐसे में हाथ की कलाई को एक रुमाल से कसकर बांधें व देर किए बगैर अस्पताल ले जाएं। इससे क्लॉटिंग की आशंका कम होगी।

नकसीर फूटने पर

व्यक्ति को जमीन पर सीधा लेटाएं व पैरों को एक से डेढ़ फीट की ऊंचाई पर किसी मेज आदि पर रखें। उसके बाद सिर पर ठंडी पट्टी या आइसबैग रखें व गीली मिट्टी सुंघाएं।



आतिफ के कमबैक पर हुआ बवाल, दी धमकी

मुंबई। पाकिस्तानी सिंगर आतिफ असलम को लेकर खबर है कि वह 7 साल बाद बॉलीवुड में कमबैक करने जा रहे हैं। वहीं आतिफ असलम की वापसी की खबर सुनने के बाद राज ठाकरे की एमएनएस पार्टी भड़क गई है। पार्टी एमएनएस के सिनेमा विंग अध्यक्ष अमेय खोपकर ने बयान

जारी कर फिल्म निर्माताओं को चेतावनी दी है। पॉपुलर सिंगर आतिफ असलम के कमबैक को लेकर जबरदस्त बवाल होता दिख रहा है। इसके पहले टी सीरीज को नोटिस भेज कर यूट्यूब चैनल से पाकिस्तानी सिंगर आतिफ असलम के गानों को हटाने के लिए कहा गया था।

लाइफ Style

रश्मिका मंदाना

नहीं बढ़ाई है फीस! उड़ने लगी थी अफवाह

एजेसी मुंबई

रश्मिका ने इन अफवाहों पर रिप्लाइ करतें हुए सोशल मीडिया पर लिखा, 'मुझे हैरानी है कि कौन कहता है... ये सब देखने के बाद मुझे लगता है कि मुझे वास्तव में इस पर विचार करना चाहिए... और अगर मेरे प्रोड्यूसर्स पूछते हैं कि क्यों... तो मैं बस यही कहूंगी कि 'मोडिया' ये कह रही है सर... और मुझे लगता है कि मुझे उनकी बातों पर खरा उतरना चाहिए... मैं क्या करूँ?' वर्कफ्रंट की बात कर तो रश्मिका को अल्लु अर्जुन की 'पूष्पा 2' में श्रीवल्ली के रोल में देखा जाएगा। ये फिल्म 15 अगस्त 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म का डायरेक्शन सुकुमार ने किया है। इसके अलावा वो तेलुगु फिल्म 'रेनबो' की शूटिंग कर रही हैं। उनके पास 'द गलफ्रेंड' भी है। उनके पास एक हिंदी फिल्म भी है, जिसमें वो विककी कौशल के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। ये उनकी तीसरी बॉलीवुड मूवी होगी। इसका नाम 'छावा' है। पर्सनल लाइफ की बात करें तो उनका नाम विजय देवकोटा संग जुड़ता आया है। दोनों ही अपनी तरफ से इस रिश्ते को नकारते रहते हैं, लेकिन बाते दोनों के साथ में वियतनाम ट्रिप पर गए थे। फैंस को उनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री बहुत पसंद है। वे 'गीता गोविंदम' और 'डियर कॉमरेड' में साथ नजर आ चुके हैं।

खबरें आ रही थी कि 'एनिमल' की सबसे के बाद रश्मिका ने अपनी फीस बढ़ा दी और वो एक फिल्म के लिए 4 से साढ़े चार करोड़ की मांग करने लगीं, लेकिन अब उन्होंने इन अफवाहों पर रिप्लाइ किया है।



हॉलीवुड मसाला

ओटीटी पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार

लॉस एंजलिस। बी लासन, इमान वेल्लानी और टैओना पैरिस जैसे स्टारों से सजी फिल्म 'द मार्वल्स' को भले ही बॉक्स ऑफिस पर अच्छा रिस्पॉन्स ना मिला हो, लेकिन अब ये ओटीटी पर स्ट्रीम होने के लिए एकदम तैयार है। ये हॉलीवुड मूवी फाइनली ओटीटी पर दस्तक देने जा रही है, जिसे आप वीकेड पर घर बैठकर देख सकते हैं। 'द मार्वल्स' साल 2019 की कैप्टन मार्वेल की अगली कड़ी है, जिसमें बी लासन के कैरेक्टर ने एमसीयू में अपनी शुरुआत की थी।



तीन तीन अवार्ड लेने के बाद गिरपतार

लॉस एंजलिस। वैमी अवॉर्ड्स 2024 में टेलर स्वफिट के बाद सबसे अधिक चर्चा अमेरिकी रैपर किलर माइक की रही। उनका अपनी नाम माइकल रेंडर है। रविवार रात (भारत में सोमवार) को जहाँ उन्होंने संगीत की दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित अवॉर्ड की 3 ट्रॉफी अपने नाम कीं, वहाँ स्टैंड से उतरते ही उन्हें स्थानीय पुलिस ने हिरासत में ले लिया। अज्ञात स्थल से किलर माइक को हथकड़ी लगाकर पुलिस ने बाहर निकाला। अब सिंगर ने वैमी अवॉर्ड्स में अपनी गिरफ्तारी को 'जीत की रात में स्प्रीड बम्प' बताकर खारिज कर दिया है। किलर माइक को जहाँ हिरासत में लिए जाने के कुछ घंटों बाद पुलिस ने रिहा कर दिया, वहीं यह भी पता चल गया है कि आखिर उन्हें पुलिस ने क्यों पकड़ा था। रिपोर्ट के मुताबिक, लॉस एंजिल्स पुलिस ने रविवार को इवेंट के दौरान एक कथित हाथापाई और मारपीट मामले में सिंगर को हिरासत में लिया था।

सोनम ने पहनी 35 साल पुरानी साड़ी

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर अब फिल्मों से दूर हैं। साल 2019 में एक्ट्रेस आखिरी बार पद पर नजर आई थीं। शादी और बच्चा होने के बाद उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली और ज्यादा समय अपने परिवार के साथ लंदन में बिताने लगी हैं। एक्ट्रेस कई मौकों पर भारत आती हैं। हाल में ही वो अपनी दोस्त की शादी में नजर आई थीं। इस दौरान उन्हें बेहद खूबसूरत अवतार में देखा गया। उनकी लाल साड़ी ने लोगों का दिल जीता। हमेशा अपने फैशन से लोगों का दिल जीतने वाली सोनम कपूर ने एक बार फिर लोगों को तारीफें करने पर मजबूर कर दिया। अब आपको सोनम की उस साड़ी के बारे में बताएं जो उन्होंने हाल में कैरी की। सोनम सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और वो अपनी लाइफ अपडेट सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं।



'वेदा' में जॉन अब्राहम का एक्शन अवतार

मुंबई। 'पठान' में धांसू अवतार में दिखे जॉन अब्राहम को खूब तारीफें हुई थीं। फैंस ने उन्हें एक्शन अवतार में देखना काफी पसंद करते हैं। फैंस को अब उनकी अपकमिंग फिल्मों का इंतजार है। एक बार फिर उनकी सॉलिड बॉडी, घनाकेदार स्टंट्स और एक्शन देखने के लिए फैंस की बेकरारी बढ़ रही है। इसी बीच बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम ने बुधवार को अपने फैंस को सरप्राइज दिया है, जो फैंस को और अधिक बेसन्न करेंगे। उन्होंने अपनी आगामी एक्शन फिल्म 'वेदा' का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी कर दिया है। अभिनेता ने साल 2019 में आई 'बाटला हाउस' के बाद अब दूसरी बार निर्देशक निखिल आडवाणी से हाथ मिलाया है। जो स्टूडियो के बैनर तले ये फिल्म बनाई जा रही है। 'वेदा' फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर के साथ जॉन ने 'वेदा' की रिलीज डेट की भी घोषणा की जो 12 जुलाई, 2024 है।

टीवी मसाला



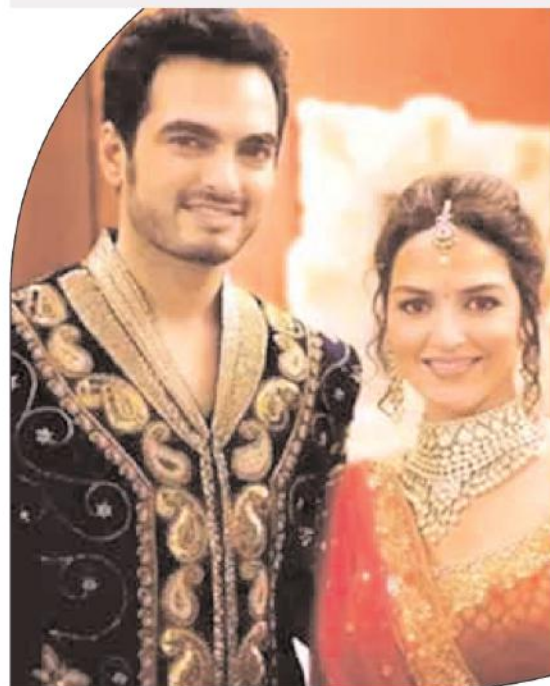
'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के 4000 एपिसोड पूरे

मुंबई। एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता लोकप्रिय शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' अपने किरदार 'बबिता अय्यर' के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने शो के 4000 एपिसोड पूरे होने पर आभार जताया। यह शो पहली बार जुलाई 2008 में प्रसारित हुआ, अब अपने 16वें साल में है। यह चित्रलेखा पत्रिका में तारक मेहता के चौकली कॉलम 'दुनिया ने उठा चश्मा' पर आधारित है। पश्चिम बंगाल की रहने वाली, 36 वर्षीय एक्ट्रेस बबिता का किरदार निभाती हैं, जो अय्यर की पत्नी हैं। वह जेतलाल की सीक्रेट कश हैं। शो के निर्माताओं द्वारा हासिल की गई इस उल्लेखनीय उपलब्धि के मौके पर मुनमुन ने इंस्टाग्राम पर 4000 एपिसोड का जश्न मनाते हुए अन्य कलाकारों के साथ कई तस्वीरें और बिहाइंड-द-सीन के वीडियो शेयर किए। तस्वीरों में मुनमुन को मोकुलधाम हाउसिंग सोसाइटी के बाहर पोज देते हुए देखा जा सकता है। उन्होंने ब्लू कलर का फ्लोरल पैटर्न पहना हुआ है और 4000 एपिसोड दिखाने वाली मार्की लाइट्स के सामने पोज देते हुए मुस्कुरा रही हैं। तस्वीरों की सीरीज को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन दिया: 4000 एपिसोड... आज हर चीज के लिए अधिक आभारी हूँ। बड़े सपनों वाली छोटे शहर की लड़की, 16 साल बाद, कड़ी मेहनत, कठिनाइयों और दृढ़ता के बाद, मैं आज यहाँ हूँ।

मन्नारा चोपड़ा इस खास शख्स से करना चाहती हैं शादी

मुंबई। मोस्ट पॉपुलर टीवी रिअलिटी शो 'बिग बॉस 17' फेम मन्नारा चोपड़ा इन दिनों अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। सुनकर फाउंड्री और अलुराग डोमाल के साथ उनकी दोस्ती और अकिंता लोखंडे के साथ उनकी खतरनाक लड़ाई ने अभिनेत्री को सुर्खियों में बनाए रखा। प्रियंका और परिणीति की बहन मन्नारा चोपड़ा ने सलमान खान के शो में अपने चुलबुले और मस्त मौला अंबाज से लोगों का दिल जीत लिया है। 'बिग बॉस 17' के घर से बाहर आते ही एक्ट्रेस मन्नारा चोपड़ा ने अपने फ्यूचर हसबैंड के बारे में बताया है कि वह किस तरह का लाइफ पार्टनर चाहती हैं। साथ ही उन्होंने अपनी शादी की प्लानिंग को लेकर भी जबरदस्त खुलासा किया है। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस अपनी शादी को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं।

ईशा देओल और भरत तख्तानी हुए अलग



मुंबई। धर्मद और हेमा माहिली की बेटी एक्ट्रेस ईशा देओल ने 12 साल पहले बिजनेसमैन भरत तख्तानी से शादी की थी। दोनों की शादीशुदा जिंदगी काफी अच्छी चल रही थी। सोशल मीडिया पर भी ईशा पति के साथ तस्वीरें साझा किया करती थी, लेकिन अब दोनों के बीच पहले जैसा कुछ भी नहीं रहा है। दोनों ने अलग होने का फैसला कर लिया है। ईशा देओल और भरत तख्तानी शादी के 12 साल बाद अलग हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि दोनों ने आपसी सहमति से अलग होने का निर्णय लिया है। एक संयुक्त बयान में उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने रास्ते अलग करने का फैसला किया है। सामने आए बयान में कहा गया, 'हमने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। हमारे जीवन में इस बदलाव के माध्यम से हमारे दो बच्चों का सर्वोत्तम हित और कल्याण हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और रहेगा। हम इस बात की सराहना करेंगे कि हमारी गोपनीयता का सम्मान किया जाए।'

एयरपोर्ट पर बाल-बाल बचीं कृति सेनन



मुंबई। कृति सेनन और शाहिद कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' के प्रमोशन को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म के गाने भी सोशल मीडिया पर फिल्म की रिलीज से पहले ही धूम मचा रहे हैं। शाहिद कपूर और कृति सेनन को जोड़ी पहली बार स्क्रीन पर एक साथ देखने के लिए फैंस प्रेसमी से इंतजार कर रहे हैं। वहीं फिल्म का प्रमोशन कर वापसी में कृति सेनन एयरपोर्ट पर हादसे का शिकार होने वाली थी, लेकिन शाहिद कपूर ने उन्हें बड़ी समझदारी से बचा लिया। अब सोशल मीडिया पर कृति सेनन का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। कृति सेनन का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह एयरपोर्ट पर जमीन पर गिरने वाली होती है, लेकिन उसके पहले ही उनके को एक्टर शाहिद कपूर उन्हें बचा लेते हैं। बाद में दोनों एक-दूसरे को देखकर हंसते नजर आते हैं। दरअसल, हुआ कुछ ऐसा की कृति एयरपोर्ट पर निचे देखते हुए चल रही थी और उन्होंने अपने सामने आए पॉल पर ध्यान नहीं दिया और शाहिद ने उनका बचाव किया वह यह देख एकदम से घबरा गईं। कृति सेनन और शाहिद कपूर की फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' का ट्रेलर और गाने जब से रिलीज हुए हैं सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है।

धमाकेदार फिल्मों और वेब सीरीज रिलीज होने वाली हैं

इस हफ्ते ओटीटी पर आ रहा है होश उड़ाने वाला कंटेंट

एजेसी मुंबई

नेटफ्लिक्स, जी5 और डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर इस हफ्ते कई सारी धमाकेदार फिल्मों और वेब सीरीज रिलीज होने वाली हैं। यदि आपका इस हफ्ते सिनेमाघरों में जाकर दो से ढाई घंटे की फिल्म देखने का मन नहीं है तो आप ओटीटी पर इन फिल्मों और वेब सीरीज का लुक उठा सकते हैं। यहाँ 5 फरवरी से 11 फरवरी के बीच ओटीटी पर दस्तक देने वाले कंटेंट की लिस्ट दी गई है। इस लिस्ट के हिसाब से आप अपना प्लान बना सकते हैं।



आर्या : अंतिम वार

डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर 'आर्या' के तीसरे सीजन का दूसरा पार्ट आने वाला है। सुष्मिता सेन की यह वेब सीरीज 9 फरवरी के दिन रिलीज होगी। इस वेब सीरीज में सुष्मिता के अलावा इला अरुण, सिंकर खेर, इंद्रनील सेनगुप्ता, विकास कुमार समेत कई सारे एक्टर्स मुख्य भूमिका में हैं।



भक्षक

असल घटना पर आधारित 'भक्षक' भी इसी हफ्ते ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक देने वाली है। आधिकारिक घोषणा के मुताबिक, भूमि पेडनेकर की यह फिल्म 9 फरवरी के दिन नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इस फिल्म में भूमि के अलावा आदित्य श्रीवास्तव, साई ताम्हणकर और संजय मिश्रा हैं।



गुंदर करम

'भक्षक' के अलावा इस हफ्ते नेटफ्लिक्स पर 'गुंदर करम' भी आने वाली है। यह फिल्म हिंदी समेत तेलुगु, तमिल, मलयालम और कन्नड़ भाषा में रिलीज होगी। बता दें, ओटीटी पर दस्तक देने से पहले महेश बाबू की यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। **Sacnilk** की रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म ने 23 दिनों में भारत में लगभग 124.82 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया था। वहीं वर्ल्डवाइड 177.67 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

लंतरावा

जॉनी लिवर, जितेंद्र कुमार, जिथु सेनगुप्ता, निमिषा सेनयन और संजय महानंद की फिल्म 'लंतरावा' 9 फरवरी के दिन ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगी। इस आप जी5 पर देख सकते हैं।

करीना कपूर ऐसे रखती हैं खुद को फिट



मुंबई। करीना कपूर खान बॉलीवुड की फिटनेस फोक एक्ट्रेस में से एक हैं और हमेशा खुद को फिट रखना भी पसंद करती हैं। वह अक्सर अपना फिटनेस रूटीन सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। वहीं आज भी करीना ने अपने पर्सनल ट्रेनर के साथ एक फोटो शेयर की है। करीना कपूर खान अपनी छत पर वर्कआउट करते नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर जैसे की ये तस्वीरें एक्ट्रेस ने शेयर की तो उनके फैंस उनकी तारीफ करने लगे। करीना फिटनेस के लिए सबसे ज्यादा योगा करना पसंद करती हैं। करीना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें हम उन्हें आराम करते हुए देख सकते हैं और इसे एक्ट्रेस ने कैप्शन दिया, 'चक्रान मेरा प्यार है।'

खबर संक्षेप

आसलरमि तल को 296.6 करोड़ डॉलर का शुद्ध घाटा



नयी दिल्ली/लक्जमबर्ग। इस्पात क्षेत्र की दिग्गज कंपनी आसलरमि तल को बीते साल की चौथी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर, 2023) में 296.6 करोड़ डॉलर का शुद्ध घाटा हुआ है। कंपनी ने इसके लिए इस्पात की कम कीमतों को कारण बताया है। कंपनी जनवरी-दिसंबर के वित्त वर्ष का अनुपालन करती है।

एलआईसी के शुद्ध लाभ में 49 प्रतिशत की वृद्धि



नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही का शुद्ध लाभ 49 प्रतिशत बढ़कर 9,444 करोड़ रुपये हो गया। देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी का शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 6,334 करोड़ रुपये रहा था। एक साल पहले की समान तिमाही में 1,11,788 करोड़ रुपये थी।

टाटा कंज्यूमर के लाभ में 17 फीसदी की गिरावट



नई दिल्ली। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीसीपीएल) का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर, 2023) का एकीकृत शुद्ध लाभ 17.26 प्रतिशत घटकर 301.51 करोड़ रुपये रह गया है। कंपनी ने कहा कि उसकी सहायक और संयुक्त उद्यम कंपनियों का योगदान कम रहने की वजह से मुनाफा घटा है।

इस वर्ष निर्यात घटकर रहेगा 435 अरब डॉलर



मुंबई। भारत का वस्तुओं का निर्यात चालू वित्त वर्ष (2023-24) में घटकर 435.3 अरब डॉलर पर आने का अनुमान है। बीते वित्त वर्ष में यह 447.46 अरब डॉलर रहा था। एफिजम बैंक (निर्यात-आयात बैंक) ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की अंतिम (जनवरी-मार्च, 2023) तिमाही में व्यापारिक निर्यात लगभग तीन प्रतिशत बढ़कर 118.2 अरब डॉलर हो जाएगा।

सर्वोटेक का ईवी चार्जर आपूर्ति के लिए अदाणी से करार



नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग समाधान प्रदान करने वाली सर्वोटेक पावर सिस्टम ने ईवी चार्जर की आपूर्ति के लिए अदाणी टोटल एनर्जीज ई-मोबिलिटी के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। सर्वोटेक पावर सिस्टम एसी ईवी चार्जर के विनिर्माण, आपूर्ति और विभिन्न हवाई अड्डों और अन्य स्थानों पर उसे स्थापित करने के लिए जवाबदेह होगी।

जोमैटो को दिसंबर तिमाही में 138 करोड़ का लाभ



नई दिल्ली। खाने-पीने के सामान की ऑनलाइन आपूर्ति करने वाले मंच जोमैटो लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर, 2023) में 138 करोड़ रुपये रहा है। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 347 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ था। जोमैटो लिमिटेड ने शंघाई बाजार को दी सूचना में बताया कि उसकी एकीकृत परिचालन आय आलोच्य तिमाही में 3,288 करोड़ रुपये रही है, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,948 करोड़ रुपये रही थी।

ई-रुपए का 'ऑफलाइन' लेनदेन शुरू करेगा आरबीआई : दास

एजेंसी ►► मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुरुवार को केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) पायलट परियोजना में 'ऑफलाइन' लेन-देन शुरूआत करने घोषणा की। इसका मतलब है कि डिजिटल रुपये के उपयोगकर्ता सीमित इंटरनेट कनेक्शन वाले क्षेत्रों में भी लेनदेन कर सकेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि प्रायोगिक परियोजना के तहत इसमें कार्यक्रम आधारित अतिरिक्त उपयोग को शामिल किया जाएगा। आरबीआई ने दिसंबर, 2022 में खुदरा सीबीडीसी की प्रायोगिक शुरूआत की थी। इसने दिसंबर, 2023 में एक दिन में 10 लाख लेनदेन का लक्ष्य हासिल कर लिया था।

उपयोगकर्ता सीमित इंटरनेट कनेक्शन वाले क्षेत्रों में भी लेनदेन कर सकेंगे

यूपीआई में पहले से ऑफलाइन सुविधा

उल्लेखनीय है कि अन्य मुगताम मंच, विशेष रूप से बेडद लोकप्रिय यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) में पहले से ही ऑफलाइन की सुविधा दी जा चुकी है। दास ने कहा, 'खराब या सीमित इंटरनेट संपर्क वाले क्षेत्रों में लेनदेन को सक्षम करने के लिए सीबीडीसी-खुदरा (रिटेल) में एक ऑफलाइन सुविधा शुरू करने का प्रस्ताव है।'



पहाड़ी व ग्रामीण क्षेत्रों में होगा परीक्षण

दास ने कहा कि इस उद्देश्य के लिए पहाड़ी क्षेत्रों, ग्रामीण और शहरी स्थानों पर कई 'ऑफलाइन' समाधानों का परीक्षण किया जाएगा। दास ने कहा कि अभी इसके तहत बैंकों द्वारा प्रदान किए गए डिजिटल रुपये वॉलेट का उपयोग करके व्यक्ति से व्यक्ति (पी2पी) और व्यक्ति से व्यापारी (पी2एम) लेनदेन को सक्षम बनाती है।

कंपनियों भी कार्यक्रम आधारित खर्च करने सक्षम होगी

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि अब इसे कार्यक्रम आधारित ऑफलाइन रूप से सक्षम करने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम आधारित क्षमता के जरिये सरकारी एजेंसियों जैसे प्रयोगकर्ता निश्चित लाभ के लिए मुगताम सुनिश्चित कर सकेंगी। कंपनियों भी अपने कार्यक्रमों के लिए कारोबारी यात्रा जैसे कार्यक्रम आधारित खर्च में सक्षम हो सकेंगी।

नीतिगत दर में कटौती के समय को लेकर बड़ी अनिश्चितता

आरबीआई मौद्रिक समीक्षा के बाद शेयर बाजार ने शुरुआती लाभ गंवाया, सेंसेक्स 723 अंक लुढ़का

एजेंसी ►► मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में बुधवार को गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 723 अंक से अधिक लुढ़क गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद नीतिगत दर में कटौती के समय को लेकर अनिश्चितता बढ़ने से बैंक और वाहन शेयरों में बिकवाली से बाजार नीचे आया। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में बढ़त में था, लेकिन बाद में यह 723.57 अंक यानी एक प्रतिशत की गिरावट के साथ 71,428.43 अंक पर बंद हुआ। आरबीआई की मौद्रिक नीति की घोषणा के बाद बाजार नुकसान में आया और एक समय यह 921.38 अंक तक लुढ़क गया था। निफ्टी भी 212.55 अंक गिरावट के साथ 21,717.95 अंक पर बंद हुआ।

ऊर्जा तथा आईटी शेयरों में रही तेजी
रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने बृहस्पतिवार को द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में लगातार छठी बार प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा। ब्याज दर से संबंधित बैंक और वित्तीय सेवाएं, वाहन, रिटायर्ड और जिंस कंपनियों के शेयर दबाव में रहे जबकि ऊर्जा तथा आईटी शेयरों में तेजी रही।

बैंकिंग और वाहन शेयरों में बिकवाली से बाजार आया नीचे

- एक समय सेंसेक्स 921 अंक से अधिक लुढ़क चुका था
- निफ्टी में भी 212 अंक की बड़ी गिरावट दर्ज

महंगाई अमी भी लक्ष्य से ऊपर
जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'हालांकि, वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जीडीपी वृद्धि दर अनुमान को बढ़ाया गया है, पर केंद्रीय बैंक मुद्रास्फूर्ति और बैंक नकदी को लेकर सतर्क बना हुआ है। रेपो दर में मई, 2022 से छह बार में 2.5 प्रतिशत की वृद्धि का लाभ अभी पूरी तरह नहीं मिला है और मुद्रास्फूर्ति लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है।'

नुकसान में रहे शेयर
सेंसेक्स की कंपनियों में आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईआई बैंक, नेस्ले, एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक और मारुति स्वर्वाधिक नुकसान में रही।
लाभ में रहने वाले शेयर
दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में भारतीय स्टेट बैंक, पावरग्रिड, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल हैं। बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 0.44 प्रतिशत नीचे आया, जबकि मिडकैप 0.08 प्रतिशत चढ़ गया।

जनवरी में इक्विटी म्यूचुअल फंड में आया 21,780 करोड़ रुपए का निवेश

एजेंसी ►► नई दिल्ली

इक्विटी म्यूचुअल फंड में जनवरी, 2024 में शुद्ध रूप से 21,780 करोड़ रुपये का निवेश आया है। यह लगभग दो साल में किसी भी महीने में हुआ सबसे अधिक मासिक निवेश है। इस दौरान निवेशकों ने स्मॉल-कैप फंड को प्राथमिकता देना जारी रखा।

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एफएम) की ओर से बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। दिसंबर, 2023 में इस श्रेणी में लगभग 17,000 करोड़ रुपये का निवेश आया था। जनवरी में निवेश प्रवाह मार्च, 2022 के बाद से सबसे अधिक था। मार्च, 2022 में इक्विटी म्यूचुअल फंड में 28,463 करोड़ रुपये का निवेश किया गया था।



- दो साल में किसी भी महीने हुआ सबसे अधिक मासिक निवेश
- निवेशकों ने स्मॉल-कैप फंड को प्राथमिकता जारी रखा

ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि इक्विटी कोषों में लगातार 35 माह से शुद्ध निवेश आ रहा है। समीक्षाधीन महीने में वैल्यू फंड को छोड़कर, इक्विटी खंड की सभी श्रेणियों में शुद्ध प्रवाह आया।

चौथे महीने 3000 करोड़ का शुद्ध प्रवाह हासिल

श्रीम आधारित फंडों में 4,805 करोड़ रुपये, स्मॉल-कैप फंड में 3,257 करोड़ रुपये और मल्टी-कैप में 3,039 करोड़ रुपये आए। लार्ज-कैप फंड में 1,287 करोड़ रुपये का निवेश आया। एफवाईआईआरएस में शोध उपाध्यक्ष गोपाल कवलिरेड्डी ने कहा कि छोटी कंपनियों में निवेश करने वाले फंड ने लगातार चौथे महीने 3,000 करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध प्रवाह हासिल किया।

पावर फाइनेंस के लाभ में 20 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर, 2023) का एकीकृत शुद्ध लाभ 20 प्रतिशत उछाल के साथ 6,294.44 करोड़ रुपये रहा है। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 5,241.10 करोड़ रुपये का एकीकृत मुनाफा कमाया था। पीएफसी लिमिटेड ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को बताया कि आलोच्य तिमाही में उसकी कुल आमदनी बढ़कर 23,593.40 करोड़ रुपये रही थी, समान तिमाही में 19,662.65 करोड़ रुपये थी। कंपनी के निदेशक मंडल की बृहस्पतिवार को हुई बैठक में 2023-24 के लिए 10 रुपये के चुकता इक्विटी शेयर पर 35 प्रतिशत या 3.50 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के दूसरे अंतरिम लाभांश की घोषणा की गई।



एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स भारत में 'सेल्फ-लॉन्ड्री' क्षेत्र में उतरी...



नई दिल्ली। धरेलू उपकरण विनिर्माता एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने 'सेल्फ-लॉन्ड्री' सेवा क्षेत्र में उतरने की घोषणा की। वह इसमें 40 लाख डॉलर (करीब 33.2 करोड़ रुपये) का निवेश करने की योजना बना रही है। दक्षिण कोरियाई समूह एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंक की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने बयान में कहा कि कंपनी ने एक नए व्यावसायिक उद्यम - इनोवेटिव सेल्फ-लॉन्ड्री सेवा (स्वयं-कपड़े धोने की सेवा) की घोषणा की है जो विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के लिए होगी। कंपनी ने कहा कि वह इस साल के अंत तक ऐसे 200 'सेल्फ-लॉन्ड्री' सर्विस सेंटर' खोलने की योजना बना रही है। बयान के अनुसार, वाणिज्यिक कॉशिंग मशीन मल्टी-हाउसिंग व्यवसाय में एलजी का प्रवेश सेवाओं की एक नई श्रृंखला पेश करता है, जो कॉलेज तथा विश्वविद्यालय के छात्रवासों में सेल्फ-लॉन्ड्री समाधान पेश करता है।

सरसों का दाम एमएसपी से नीचे आया तो सरकार करेगी खरीदी

एजेंसी ►► नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और जनजातीय कार्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा है कि सरसों का दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे जाता है, तो सरकार एमएसपी पर किसानों से इसकी खरीद करेगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए जरूरी व्यवस्था की गई है। केंद्र सरकार द्वारा रबी विपणन सत्र के दौरान मूल्य समर्थन योजना या पीएसएस के अंतर्गत सरसों की खरीद की तैयारियों की गई हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के लिए किसानों का हित सर्वोपरि है। यदि सरसों का दाम एमएसपी से नीचे जाता है तो सरकार ने



किसानों से एमएसपी पर इसकी खरीद के लिए आवश्यक व्यवस्था की है। रबी विपणन सत्र के लिए, केंद्रीय नोडल एजेंसियों को पहले से ही मूल्य समर्थन योजना के तहत सरसों की खरीद के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया गया है, ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो।

- केंद्रीय मंत्री मुंडा ने दी जानकारी
- केंद्र सरकार के लिए किसानों का हित सर्वोपरि

खरीदी के लिए 28.24 टन सरसों की मंजूरी: रबी विपणन सत्र-2023 के दौरान गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और असम राज्यों से मूल्य समर्थन योजना के तहत खरीद के लिए 28.24 लाख टन सरसों की मंजूरी दी गई थी।

बंपर कमाई के साथ मुकेश अंबानी के करीब पहुंचे

गौतम अदाणी की एक साल बाद 100 अरब डॉलर क्लब में वापसी

एजेंसी ►► नई दिल्ली

अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी एक बार फिर 100 अरब डॉलर क्लब में शामिल हो गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक बुधवार को उनकी नेटवर्थ में 2.73 अरब डॉलर की तेजी आई और यह 101 अरब डॉलर पहुंच गई। हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आने के बाद अदाणी पहली बार 100 अरब डॉलर क्लब में शामिल हुए हैं। अमेरिका की शॉर्ट सैलिंग कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने पिछले साल 24 जनवरी को अदाणी ग्रुप के बारे में एक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें अदाणी ग्रुप पर शेयरों की कीमत में हेरफेर

नेटवर्थ में 80 अरब डॉलर से अधिक गिरावट आई थी

इसके साथ ही अदाणी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 12वें नंबर पर पहुंच गए हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 16.4 अरब डॉलर की तेजी आई है। हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आने के बाद अदाणी की नेटवर्थ में 80 अरब डॉलर से अधिक गिरावट आई थी और यह 37.7 अरब डॉलर तक गिर गई थी।



अमीरों की सूची में अदाणी 11वें स्थान पर
दुनिया के अमीरों की लिस्ट में भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी 11वें नंबर पर हैं। उनकी नेटवर्थ 108 अरब डॉलर है। बुधवार को उनकी नेटवर्थ में 1.01 अरब डॉलर की तेजी आई। इस साल उनकी नेटवर्थ 11.8 अरब डॉलर बढ़ी है। 100 अरब डॉलर क्लब में अभी 12 अरबपति शामिल हैं। इनमें नौ अमेरिका के, दो भारत के और एक फ्रांस का है।

समेत कई तरह के आरोप लगाए गए थे। अदाणी ग्रुप ने इन आरोपों को खारिज किया था लेकिन इस कारण ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट आई थी।
अदाणी ग्रुप के शेयरों में आई तेजी : अदाणी ग्रुप का मार्केट कैप भी आठे से कम रह गया था। लेकिन हाल के दिनों में अदाणी ग्रुप के शेयरों में तेजी आई है। अदाणी ग्रुप की फ्लेनशिप कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयरों में बुधवार को लगातार आठवें दिन तेजी आई। कंपनी ने पिछले हफ्ते अपना रिजल्ट जारी किया था। कंपनी का प्रॉफिट दिसंबर तिमाही में 130 प्रतिशत उछला है।
शोध पर मस्क काबिज : दुनिया के अमीरों की लिस्ट में एलन मस्क 205 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ पहले नंबर पर बने हुए हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 24.5 अरब डॉलर की गिरावट आई है। जेफ बेजोस 196 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं।

ओएनडीसी पर विक्रेताओं की संख्या कई गुना बढ़ने की उम्मीद : सीईओ

एजेंसी ►► नई दिल्ली

आने वाले साल में सरकार-समर्थित ऑनलाइन कारोबार मंच 'ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स' (ओएनडीसी) पर विक्रेताओं की संख्या कई गुना बढ़ने की उम्मीद है। ओएनडीसी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) थम्पी कोशी ने बृहस्पतिवार को यह बात कही।

कोशी ने कहा कि इस समय ओएनडीसी पर लगभग तीन लाख विक्रेता मौजूद हैं। उन्होंने यहां एक कार्यक्रम में कहा, 'हमने पिछले साल जनवरी में 600 विक्रेताओं के साथ मंच की शुरुआत की थी। इस समय यहां लगभग तीन लाख विक्रेता हैं। हमें उम्मीद है कि आने वाले साल में यह कई गुना बढ़ जाएगा। मुझे तो आने वाले वर्ष में कम-से-कम दस गुना वृद्धि की उम्मीद है।' सीईओ ने कहा कि ओएनडीसी पर जनवरी में 67 लाख लेनदेन किए गए और आगे चलकर मासिक लेनदेन में 20-30 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। वह डिजिरेडी सर्विसेज के

- ओएनडीसी पर लगभग तीन लाख विक्रेता मौजूद
- जनवरी 2023 में 600 विक्रेताओं के साथ मंच शुरू हुआ था

(डीआरसी) पोर्टल की शुरुआत के मौके पर भारतीय गुणवत्ता परिषद (व्यूसीआई) और ओएनडीसी के बीच एक समझौता होने के अवसर पर बोल रहे थे।

डीआरसी पहल के तहत गुणवत्ता परिषद ओएनडीसी के साथ मिलकर छोटी और मझौली कंपनियों की डिजिटल तैयारी का आकलन करेगी। विक्रेता ओएनडीसी मंच से जुड़ने के लिए एक ऑनलाइन स्व-मूल्यांकन टूल की मदद से अपनी तैयारियों का मूल्यांकन कर सकते हैं।

कारोबार करने में कठिनाई है मदद

कोशी ने कहा, 'हम लोगों को कारोबार के लिए तैयार करने के लिए एक समझौता करने का एक तरीका है, ताकि वे जल्द नेटवर्थ में शामिल हो सकें। हम उम्मीद कर रहे हैं कि इससे हजारों लोग शामिल होंगे।'

एमएसएमई क्षेत्र होगा सशक्त

इस मौके पर गुणवत्ता परिषद के चेयरपर्सन जयश शह ने कहा कि डीआरसी पोर्टल की पेशकश एमएसएमई की सशक्त बनाने और ई-कॉमर्स की अधिक समावेशी बनाने के मिशन में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

नोएडा में महाजाम

फंसे स्कूली बच्चे, पुलिस ने दिल्ली कूच करने वाले किसानों को रोका



पालकों को पैदल जाना पड़ा

कई बच्चों को अतिमावक पैदल ही घर ले गए। बच्चे दो घंटे देरी से पहुंच रहे हैं। अतिमावक और स्कूल प्रशासन परेशान हैं। नोएडा ट्रैफिक पुलिस चाहकर भी मदद नहीं कर पा रही क्योंकि गाड़ियां फंसी हुई हैं।



3 केंद्रीय मंत्री चंडीगढ़ में करेंगे बातचीत

किसानों के आंदोलन को खत्म करने के लिए सरकार उनकी मांगों पर विचार करने को तैयार है। किसानों से बात करने के लिए केंद्रीय मंत्री चंडीगढ़ जाएंगे। केंद्र सरकार की तरफ से पीएस नोयल, अर्जुन गुंडा और निरंजन राय चंडीगढ़ पहुंचेंगे। शुक्रवार को ही बातचीत की। चंडीगढ़ के सेक्टर 26 में यह बैठक रखी। पंथेर ने कहा कि हमारी 10 प्वाइंट पर बात होगी।

6 घंटे बाद किसानों का प्रदर्शन खत्म

एक्सप्रेस-वे से हट रहे किसान किसानों ने शाम करीब 6:15 बजे किसानों ने विरोध प्रदर्शन खत्म कर दिया है। किसान एक्सप्रेस-वे से वापस हट रहे हैं। धीरे-धीरे सड़क पर लगा जाम खुलने लगा है। शुक्रवार रात आठ बजे नोएडा सीपी के साथ किसान नेताओं ने मुलाकात की। इस मीटिंग में योगी सरकार के मंत्री भी मौजूद रहे।

एजेसी नई दिल्ली

संसद तक मार्च करने जा रहे किसान नोएडा से दिल्ली की तरफ निकल पड़े हैं। विरोध प्रदर्शन के कारण दिल्ली-नोएडा बॉर्डर पर भीषण जाम लगा है।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे, 130 मीटर एक्सप्रेसवे, दादरी-सूरजपुर-छलेरा मार्ग सहित कई सड़कों पर जाम लगा है। हालांकि पुलिस ने उन्हें रास्ते में ही रोक लिया। इसके बाद किसान चिल्ला बॉर्डर की तरफ बढ़ गए। किसानों को महामाया फ्लाईओवर के करीब दलित प्रेरणा स्थल पर रोक लिया गया। यहां किसानों का हजूम उमड़ पड़ा है। इस कारण सड़कों पर भीषण जाम लग गया है।

इन जगहों पर भी भीषण जाम

दोपहर एक बजे तक नोएडा-गेटर नोएडा एक्सप्रेस वे, डीएनडी लूप, कालिंदी कुंज पुल, दलित प्रेरणा स्थल के आसपास, अट्टा चौक और नोएडा में रजनीगंधा चौक पर भारी जाम देखा गया। ऐसी ही हालात गेटर नोएडा के परीचौक पर देखा गया।

जगह-जगह लगाए गए बैरियर

पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि किसान आंदोलन को देखते हुए दिल्ली से जुड़ी सभी सीमाओं, किसान चौक और अन्य स्थानों पर बैरियर लगाए जा गए हैं। प्रत्येक वाहन को जांच की जा रही है, जिसके कारण यातायात को गति धीमी हो गई है। धारा 144 लागू कर चुकी है। पुलिस ने ट्रैक्टर सवार किसानों के आंदोलन के तहत नोएडा और दिल्ली के कई स्ट्रैट्स डायवर्ट कर दिए।



भारतीय किसान परिषद कर रही नेतृत्व

नोएडा में प्रदर्शनकारियों को नेतृत्व भारतीय किसान परिषद कर रही है। कार्यकर्ताओं ने दिसंबर से स्थानीय प्राधिकरण के कार्यालय के बाहर शिविर लगा रखा है। किसान नेता राकेश टिकैत दोपहर में गेटर नोएडा में प्रदर्शनकारियों के समूह में शामिल हुए। भारतीय किसान यूनियन के सदस्य स्थानीय प्राधिकरण के कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। किसान स्थानीय विकास प्राधिकरण द्वारा अधिग्रहित अपनी जमीन के बदले अधिक मुआवजे और विकसित जमीन देने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

खबर संक्षेप

चेन्नई के 4 नामी स्कूलों को उड़ाने की धमकी



चेन्नई। शहर में 4प्रतिष्ठित स्कूलों को ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी दी गई। पुलिस ने कहा कि आनन-फानन में पैरेंट्स को सूचना दी गई। जिसके बाद बच्चों को घर भेजा गया। पुलिस का कहना है कि सूचना पर बम स्वचायड की टीम स्कूलों में पहुंच चुकी है। स्कूल में बम की खोज की जा रही है।

बंगाल में बजट पेश सीएम ममता बिफर्री



कोलकाता। पश्चिम बंगाल की विधानसभा में राज्य सरकार वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपना बजट पेश किया। विपक्षी पार्टी बीजेपी और वाम दल इस दौरान हंगामा करते नजर आए। बेनर्जी गुस्से में आ गई। उन्होंने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि धिक्कार है आप लोग बजट तक नहीं पहुंचते रहे। यहां खुशहाली नहीं चाहते।

राजस्थान के बजट में 70 हजार नौकरियां शामिल



जयपुर। राजस्थान में भजनलाल शर्मा की अगुवाई में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए राज्य का बजट पेश कर दिया गया है। सरकार ने इस बजट में 70 हजार नई सरकारी नौकरियों की घोषणा की है। एंटी रोमियो स्क्वाड का गठन होगा। गाय पालकों के लिए गोपाल कार्ड दिया जाएगा। एक लाख का ब्याज रहित लोन मिलेगा।

सीएम धामी ने बुलाई आपात बैठक

अवैध मदरसे पर चला बुलडोजर दंगाइयों को गोली मारने के आदेश



एजेसी हल्द्वानी

बनभूलपुरा में सरकारी जमीन (नजूल भूमि) में बने अवैध मदरसा और नमाज स्थल को तोड़ने गई टीम पर हमला हो गया। देखते ही देखते फायरिंग, आगजनी और पथराव होने लगा। इस घटना में एसडीएम, एसपी, पुलिसकर्मी, मीडियाकर्मी समेत 100 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। क्षेत्र में स्थिति गंभीर बनी हुई। स्थिति को काबू में करने के लिए चार कंपनी पैरा मिलिट्री फोर्स बुलाई गई है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।

सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)

पीएम मोदी ने राज्यसभा के सेवानिवृत्त हो रहे सदस्यों को विदाई दी

हर दो साल के बाद राज्यसभा को मिलती है नई 'जीवनदायी' शक्ति

नदियों का पानी तभी पीने योग्य, जब तक समुद्र में नहीं मिलती

पीएम मोदी ने कहा कि लोकसभा हर पांच साल में बदल जाती है

समारोह में नदियों और समुद्र के मिलन का उदाहरण देकर किया कटाक्ष



नई छाप और यारें छोड़ जाते हैं

प्रधानमंत्री कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीएम मोदी ने गुरुवार को राज्यसभा से रिटायर्ड हो रहे सदस्यों को विदाई दी। इस अवसर पर राज्यसभा में पीएम ने कहा कि लोकसभा हर 5 साल में बदल जाती है जबकि राज्यसभा को हर दो साल में नई जीवनदायिनी शक्ति मिलती है। इसी तरह द्विवार्षिक विदाई भी नए सदस्यों के लिए अमित यादें और अमूल्य विरासत छोड़ जाती है। पूर्व प्रधानमंत्री और अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह के योगदान का स्मरण करते हुए कहा, पीएम मोदी ने कहा कि देश के लोकतंत्र की प्रत्येक चर्चा में सिंह के योगदान की चर्चा होगी। पीएम प्राचीन धर्मग्रंथों का उल्लेख करते हुए बताया कि जो लोग अच्छी संगति में रहते हैं उनमें समान गुण आ जाते हैं और जो लोग बुरी संगति में रहते हैं उनमें दोष आ जाते हैं। उन्होंने कहा कि नदी का जल तभी पीने योग्य होता है जब नदी का बहाव जारी रहता है और जैसे ही वह समुद्र में मिलता है तो खारा हो जाता है।

डॉ. सिंह ने लंबे समय तक मार्गदर्शन दिया

पीएम मोदी डॉ. मनमोहन सिंह के अतुलनीय योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने सबन और राष्ट्र को लंबे समय तक मार्गदर्शन दिया है। पीएम ने सुझाव दिया कि संसद के सभी सदस्य ऐसे प्रतिष्ठित सदस्यों के आचरण से सीखने का प्रयास करें क्योंकि वे मार्गदर्शक हैं। प्रधानमंत्री ने सबन में वोट देने के लिए वहील चेर पर आने वाले पूर्व प्रधानमंत्री को अपनी कर्तव्य-परायणता और समर्पण के प्रेरक उदाहरण के रूप में याद किया। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि सिंह लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने आये थे। पीएम ने उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएं दीं।

राज्यसभा 6 वर्षों का एक बहुविद् विश्वविद्यालय

पीएम ने कहा कि जो सदस्य सार्वजनिक मंच के विस्तृत फलक पर जा रहे हैं उन्हें राज्यसभा के अनुभवों से बहुत लाभान्वित होंगे। राज्यसभा 6 वर्षों का एक बहुविद् विश्वविद्यालय है, जिसे अनुभवों से आकार दिया गया है।

कोविड को याद करते हुए पीएम ने इस कालखंड में सदस्यों की प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि उस समय अनिश्चितताएं बहुत अधिक थीं, लेकिन सदस्यों ने सबन के कामकाज में कोई बाधा नहीं आने दी। उन्होंने संकटों के बीच सासदों द्वारा जिम्मेदारियों को पूरा करने बड़े जोखिमों का भी उल्लेख किया।

जैसे कि मैं सबसे बड़ा आतंकवादी हूं, एजेंसियों को हमारे पीछे लगाया



भवन की आधारशिला रखने के बाद यह बात कही। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र उनकी सरकार की योजनाओं को रोकने की कोशिश करता है।

3 और प्रत्याशियों का किया ऐलान

हड़िया गठबंधन के आने वाले दिन भी अच्छे नहीं दिखाई दे रहे हैं। अब ऐसा प्रतीत हो रहा है कि जल्द ही आपकी कांग्रेस से बातचीत खत्म कर देंगी। अब आप ने असम में तीन प्रत्याशियों के नाम का ऐलान कर दिया है। आप ने डिब्रुगढ़ से मनोज धनोवर, गुवाहाटी से भावेन चौधरी और सोनितपुर से अश्विनी कौंडिन्य को लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाया है। इससे पहले आप ने गुजरात की एक लोकसभा सीट पर भी प्रत्याशी का ऐलान किया था।

इलाके में मचा हाहाकार, 5 लोगों के घायल होने की खबर सामने आई

एजेसी नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली में गुरुवार को गोकुलपुरी मेट्रो स्टेशन के प्लेटफॉर्म की साइड वॉल का एक हिस्सा गिर गया, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

इससे 5 लोग घायल हो गए, उन्हें तुरंत चिकित्सा के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया। जहां, घायलों में से एक की मौत हो गई है। सड़क को बंद कर दिया गया है। डीएमआरसी ने माल्टी चोट के लिए एक लाख, गंभीर चोट के लिए 5 लाख और मृतक के परिजनों को 25 लाख की राशि देने का

गोकुलपुरी मेट्रो स्टेशन का एक हिस्सा गिरा, 1 की मौत, हड़कंप

एजेसी नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली में गुरुवार को गोकुलपुरी मेट्रो स्टेशन के प्लेटफॉर्म की साइड वॉल का एक हिस्सा गिर गया, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

इससे 5 लोग घायल हो गए, उन्हें तुरंत चिकित्सा के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया। जहां, घायलों में से एक की मौत हो गई है। सड़क को बंद कर दिया गया है। डीएमआरसी ने माल्टी चोट के लिए एक लाख, गंभीर चोट के लिए 5 लाख और मृतक के परिजनों को 25 लाख की राशि देने का

31 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 2.93 लाख गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण पूरा

मंत्रालय ने गांव की संपत्ति के मालिकों को अधिकारों का रिकॉर्ड किया आसान

एजेसी नई दिल्ली

स्वामित्व योजना के तहत 31 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 2.93 लाख गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। राज्यों ने राज्य अधिनियमों और नियमों के अनुसार संपत्ति कार्ड बनाने के लिए प्रक्रियाओं को परिभाषित किया है। 24 जनवरी 2024 तक 1.09 लाख गांवों में 1.75 करोड़ संपत्ति कार्ड तैयार किए जा चुके हैं।

पंचायती राज मंत्रालय गांव की संपत्ति के मालिकों को अधिकारों का रिकॉर्ड प्रदान करने के लिए स्वामित्व योजना लागू कर रहा है। यह जानकारी केंद्रीय पंचायती राज राज्य मंत्री कपिल मोरेश्वर पाटिल ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में दी। इसका उद्देश्य नवीनतम सर्वेक्षण ड्रोन-प्रौद्योगिकी के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आवादी भूमि का सीमांकन करना है।



यह गामीण भारत को आत्मनिर्भर बनाने में अहम होगा इस योजना में संपत्तियों के मुद्देकरण की सुविधा और बैंक ऋण को सक्षम करना, संपत्ति संबंधी विवादों को कम करना, व्यापक ग्राम स्तरीय योजना, सही अर्थों में ग्राम स्वराज प्राप्त करने और गामीण भारत को आत्मनिर्भर बनाने में अहम होगा। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, लद्दाख, दिल्ली, लक्षद्वीप, दादरा नगर हवेली और दमण और दीव इस्में शामिल हैं।

10 करोड़ से ज्यादा लोगों का आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत अब तक 10 करोड़ से अधिक आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (आमा) बनाए गए हैं। गुरुवार को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने बताया कि कि देशव्यापी स्वास्थ्य देखभाल को डिजिटलाइज करने की पहल के तहत गुरुवार को आमा कार्ड की संख्या 10 करोड़ के पार हो गई है। आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट, व्यक्तियों को यूनिंक हेल्थ कार्ड प्रदान करता है। 53 करोड़ लोगों की डिजिटल हेल्थ आईडी बन चुकी है।



यह पंचायती राज मंत्रालय, राज्य राजस्व विभागों, राज्य पंचायती राज विभागों और भारतीय सर्वेक्षण विभाग का एक सहयोगात्मक प्रयास है। स्वामित्व योजना का पायलट चरण 2020-21 के कार्यान्वयन के लिए 24 अप्रैल 2020 को लॉन्च किया गया था और राष्ट्रीय स्तर पर 24 अप्रैल, 2021 को इस योजना का शुभारंभ किया गया था।